



# राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन

पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी

भोपाल-462016 (म.प्र.)

वेबसाइट- <http://www.mpseiaa.nic.in>

दूरभाष नं. - 0755-2466970, 2466859

फैक्स नं. - 0755-2462136

No: 2009 / SEIAA/2022

Date: 2/11/22

प्रति,

कलेक्टर

जिला - बुरहानपुर (म.प्र.)

विषय: नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट - बुरहानपुर (अन्य गौण खनिज- रेत को छोड़कर एवं रेत खनिज)

संदर्भ: आपका पत्र क्र. 395 दिनांक 03/10/2022 एवं 399 दिनांक 07/10/22

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण द्वारा 753वीं बैठक दिनांक 26.10.2022 में निम्नानुसार निर्णय लिया गया :-

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 में निवाड़ी जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज - रेत को छोड़कर संशोधित एवं रेत खनिज) में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है :

"..... अतः समिति बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज - रेत को छोड़कर) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

"..... अतः समिति द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित किया जाये।"

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत SEAC की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 के अनुमोदन प्रस्ताव को मान्य करते हुए बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज- रेत को छोड़कर संशोधित एवं रेत खनिज) का अनुमोदन SEAC द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ किया जाता है। तदनुसार जिला कलेक्टर, बुरहानपुर को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करवाये जाने एवं संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म को सूचित किया जाये।

उपरोक्त निर्णयानुसार कृपया अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करने का कष्ट करें। सुलभ संदर्भ हेतु अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की साफ्टकॉपी ई-मेल के माध्यम से आपकी ओर प्रेषित है।

  
(श्रीमन् शुक्ला)  
सदस्य सचिव


क्र..

/SEIAA/2022 भोपाल

दिनांक

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल की ओर कृपया सूचनार्थ ।
2. संचालक, प्रशासन/तकनीकी, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
3. सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC), अनुसंधान एवं विकास विंग, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र.) - 462016 की ओर सूचनार्थ ।

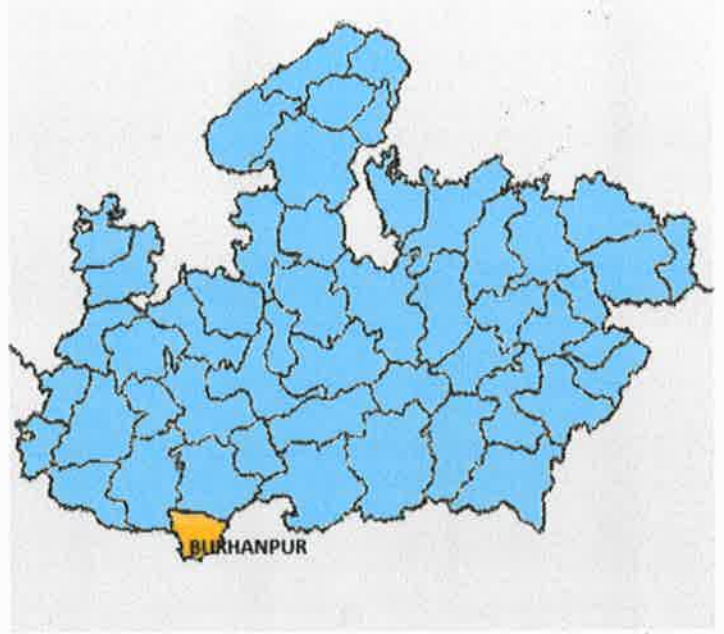
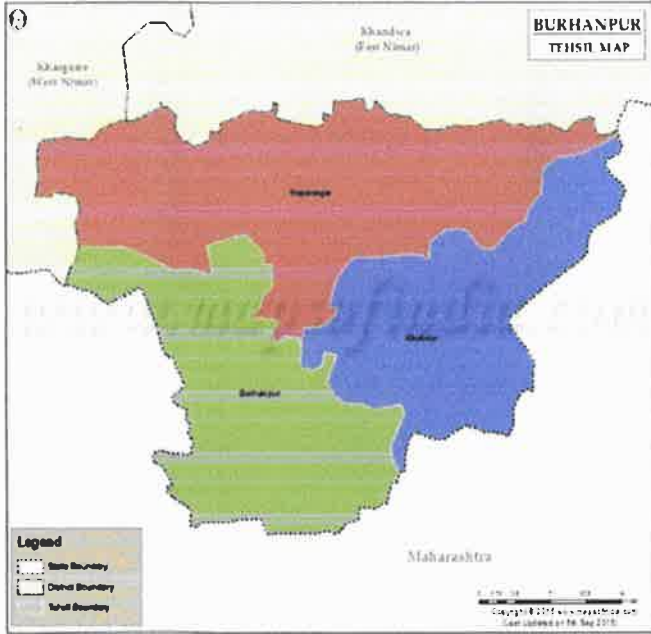
  
सदस्य सचिव

# District Survey Report: Burhanpur

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (खनिज रेत)

जिला बुरहानपुर, म.प्र.

वर्ष 2021-22



**As Per Notification No. S.O. 141(E),  
15<sup>th</sup> January, 2016, S611(E), 25<sup>th</sup> July, 2018, New  
Delhi, Ministry Of Environment Forrest & Climate  
Change (MoEF & CC), Enforcement & Monitoring  
Guidelines For Sand Mining 2020**

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा)

जिला बुरहानपुर (म.प्र.)

  
State Level Environmental Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

सोनल सिंह तोमर  
खनि अधिकारी, बुरहानपुर



कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर, म.प्र.

Email Id-modgmbur@mp.gov.in

बुरहानपुर, दिनांक 07/10/2022

क्रमांक/ 341 /खनिज/2022

प्रति,

सदस्य-सचिव  
राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC)  
पर्यारण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी,  
भोपाल-462016 (म.प्र.)

विषय :- जिला बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) में कमी की पूर्ति करने के संबंध में।  
संदर्भ :- संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म) मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक 2981/खनिज/विविध/न.क्र./  
2022, भोपाल दिनांक 03/03/2022 एवं SEAC की बैठक दिनांक 07/10/2022

\*\*\*\*

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662(बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10/11/2021 भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 15/01/2016 तथा अधिसूचना दिनांक 25/07/2018 सस्टेनेबल सेंड माईनिंग मेजेजमेन्ट गाईड लाईन 2016 एवं इनफोर्समेन्ट फार सेण्ड माईनिंग 2020 गाईड लाईन के पालन में संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म) म.प्र. भोपाल के संदर्भित पत्र में वर्णित दिशा निर्देशानुसार वर्ष 2021-22 हेतु प्रारूप जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) तैयार किये जाने हेतु गठित समिती द्वारा वर्ष 2021-22 हेतु जिला खनिज (रेत) सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (खनिज रेत को छोड़कर) तैयार की जाकर अनुमोदित की गई है एवं इस कार्यालय के पत्र दिनांक 13/09/2022 द्वारा आपके कार्यालय में प्रस्तुत की गई है।

यह कि दिनांक 21/09/2022 एवं 07/10/2022 को DSR की बैठक में जिला बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में 16 कॉलम की जानकारी, पौधा रोपन, वर्षा ऋतु की जानकारी, पट्टेदारों की एवं जिला खनिज रेत सर्वेक्षण रिपोर्ट की DSR के संबंध में जानकारी की पूर्ति किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

अतः उक्त संबंध में जिला बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में कमी की पूर्ति कर जिला खनिज (रेत) सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (खनिज रेत को छोड़कर) संलग्न अनुमोदित 2 (DSR)/जानकारी अग्रिम कार्यवाही/स्वीकृति हेतु आपकी ओर प्रेषित है।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

पृ. क्रमांक/ 400 /खनिज/2022

प्रतिलिपि :-

संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म, 29-ए, 'खनिज भवन' अरेरा हिल्स भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित है।

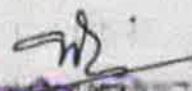

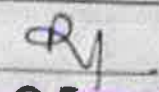
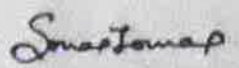
खनिज अधिकारी 21  
जिला बुरहानपुर

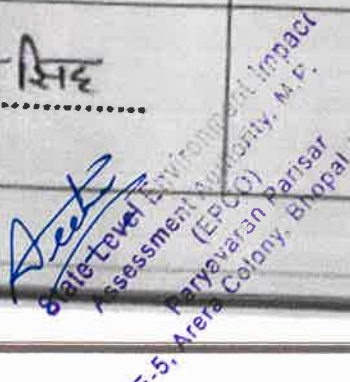
बुरहानपुर, दिनांक 07/10/2022

खनिज अधिकारी 21  
जिला बुरहानपुर

# District Survey Report: Burhanpur

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविलि अपील क्रमांक 3661-3662/2020 (बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10/11/2021 के अनुसार एवं सस्टेनेबल सेण्ड माईनिंग मैनेजमेंट गाईडलाइन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिट्रिंग फार सेण्ड माईनिंग 2020 के पालन में संचालक महोदय भूमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश क्रमांक/2981/2982-86 भोपाल, दिनांक 03/03/2022 तथा कलेक्टर महोदय जिला बुरहानपुर के आदेश क्रमांक/152/खनिज/2022, बुरहानपुर, दिनांक 12/04/2022 के पालन में प्रारूप जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (District Survey Report) निम्न समिति द्वारा तैयार कर अनुमोदित की गई है :-

क्र.	अधिकारी का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1	2	3	4
1	श्री.के.आर.ठोले	अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जिला बुरहानपुर	 अनुविभागीय अधिकारी जिला बुरहानपुर (म.प्र.)
2	श्री.ए.एस.तोडान	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग, जिला बुरहानपुर	 कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग बुरहानपुर (म.प्र.)
3	.....	क्षेत्रीय अधिकारी, म.प्र. प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर	
4	श्री.दिनेश कुमार यादव	अनुविभागीय अधिकारी (वन) जिला बुरहानपुर	 S.D.O. Forest Burhanpur
5	सोमन सिंह	खनि अधिकारी, जिला बुरहानपुर	 29.4.22 खनि अधिकारी जिला-बुरहानपुर

  
State-Level Environmental Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(E-ICO)  
Paryewaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



# District Survey Report: Burhanpur

कार्यालय

संघालक भौमिकी तथा खनिकर्म

मध्यप्रदेश

29-ए, "खनिज भवन", अरेरा हिल्स, भोपाल

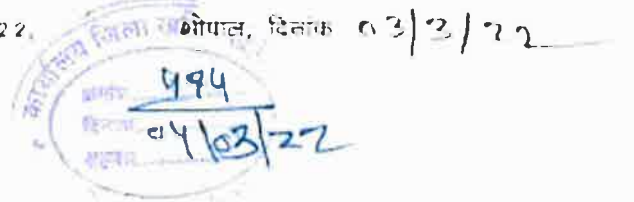
फोन एवं फॅक्स : 0755-2551795

E-mail: dirgeocom@mp.nic.in

क्रमांक: 2951 /सांख्यिकीविभाग क्र. 2022

दिनांक:

समस्त कलेक्टर  
(खनि शाखा)  
मध्यप्रदेश



विषय : सस्टेनेबल रोफ्ट माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार रोफ्ट माइनिंग 2020 के अंतर्गत रेत खनिज हेतु जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार किये जाने के संबंध में।

प्रत्येक जिले में सस्टेनेबल रोफ्ट माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार रोफ्ट माइनिंग 2020 गाईडलाईन के तहत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार की जाती है। जिले की डीएसआर तैयार किये जाने की प्रक्रिया प्रथम में है। सांख्यिकी सर्वेक्षण विभाग द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662/2020 दिनांक राज्य एवं राज्य विरुद्ध फलत कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10.11.2021 के अनुसार एवं सस्टेनेबल रोफ्ट माइनिंग मेनेजमेंट गाईडलाईन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिटरिंग फार रोफ्ट माइनिंग 2020 के फालत में राज्य डीएसआर निस्स सभिसि द्वारा तैयार की जाती है -

1. अनुविभागीय अधिकारी (राज्य)
2. जल संसाधन विभाग के अधिकारी
3. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के तकनीकी अधिकारी
4. वन विभाग के अधिकारी
5. जिले के खनिज अधिकारी/संघालकालय भौमिकी तथा खनिकर्म द्वारा पदस्थ अधिकारी

उपरोक्तानुसार तैयार प्रकृत डीएसआर को जिला कलेक्टर द्वारा सिविल (SEAC) को उपेक्षित की जायेगी। सिविल (SEAC) द्वारा इसे सिविल (SEIAA) को प्रेषित किया जायेगा।

उपरोक्त विदेशों का फालत सुनिश्चित किया जाये।

(रफेश कुमार श्रीवास्तव)  
भा.प्र.से.  
संघालक  
(प्रशासन एवं खनिकर्म)

# District Survey Report: Burhanpur

पृ. क्रमांक 2982-86  
प्रतिलिपि :-

खनिज विभाग क्र. 12022

भोपाल, दिनांक 03/3/22

- 1 प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, खनिज साधन विभाग की ओर।
- 2 प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, जल संसाधन, वन विभाग, पर्यावरण विभाग की ओर सूचनाई।
- 3 सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 पर्यावरण परिसर, अरेरा कालोनी भोपाल।
- 4 खनिज अधिकारी जिला ..... मध्यप्रदेश की ओर संचालनालय द्वारा डीएसआर तैयार किये जाने हेतु नियुक्त एजेंसी द्वारा यदि प्रारूप डीएसआर तैयार किया जा चुका है तब इस प्रारूप डीएसआर का परीक्षण उपरोक्तानुसार गतिविधि समिति से कराया जाये। समिति द्वारा इस प्रकार तैयार प्रारूप का अनुमोदन कर जिले के कलेक्टर को प्रस्तुत किया जायेगा।
- 5 प्रभारी अधिकारी, भौतिकी शाखा, संचालनालय भौतिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश भोपाल की ओर पालनाई।

संचालक  
(प्रशासन एवं खनिकर्म)



# District Survey Report: Burhanpur

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर, म.प्र.

Email Id-modgmbur@mp.gov.in

क्रमांक/ 152 /खनिज/2022

बुरहानपुर, दिनांक 12/04/2022

**//आदेश//**

संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म म.प्र. भोपाल का पत्र क्रमांक-2981/खनिज/विविध/न.क्र./ 2022 भोपाल दिनांक 03.02.2022 द्वारा प्रत्येक जिले में सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिट्रिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 गाइडलाइन के तहत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार की जानी है। जिले की डीएसआर तैयार किये जाने की प्रक्रिया प्रचलन में है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक - 3661-3662/2020 ( विहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10.11.2021 के अनुसार एवं सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिट्रिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के पालन में प्रारूप डीएसआर निम्न समिति द्वारा तैयार किये जाने का लेख किया गया है।

अतः संदर्भित पत्रानुसार सस्टेनेबल सेण्ड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन 2016 एवं इनफोर्समेंट मानिट्रिंग फार सेण्ड माइनिंग 2020 के अंतर्गत रेत खनिज हेतु जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार किये जाने हेतु निम्नानुसार समिति का गठन किया जाता है :

स.क्र.	विभाग का नाम	अधिकारी/कर्मचारी	रिमांक
1	वन विभाग	वन मंडलाधिकारी जिला बुरहानपुर	
2	प्रदूषण विभाग	कनिष्ठ वैज्ञानिक, म.प्र. नियंत्रण बोर्ड इंदौर	
3	राजस्व विभाग	अनुविभागीय अधिकारी बुरहानपुर/नेपानगर	
4	जल संसाधन विभाग	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग जिला बुरहानपुर	
5	खनिज साधन विभाग	खनि अधिकारी, जिला बुरहानपुर (म.प्र.)	

उपरोक्त समिति प्रारूप डीएसआर शीघ्र तैयार कर अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, ताकि प्रारूप डीएसआर को नियत समय में जिले के पब्लिक पोर्टल पर लोगों के सुझाव हेतु 01 माह हेतु प्रदर्शित किये जाने के पश्चात् राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आकलन समिति (SEAC) को अर्पित किया जा सके।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

कलेक्टर

जिला बुरहानपुर, म.प्र.

बुरहानपुर, दिनांक 12/04/2022

प.क्र. / 153 /खनिज/जांच/2022

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन खनिज साधन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल म.प्र.
2. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म, भोपाल म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
3. वन मण्डलाधिकारी, जिला बुरहानपुर, म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
4. क्षेत्रीय अधिकारी, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
5. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग-बुरहानपुर/नेपानगर जिला बुरहानपुर की ओर सूचनार्थ।
6. कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग जिला बुरहानपुर की ओर सूचनार्थ।
7. खनि अधिकारी, जिला बुरहानपुर, म.प्र. की ओर सूचनार्थ।

कलेक्टर

जिला बुरहानपुर, म.प्र.

# District Survey Report: Burhanpur

E-Mail:  
(D.M.) Office  
Burhanpur (M.P.)

राज्यात्मक  
भौतिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश  
24 ए खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल  
फोन एंव फॅक्स - 0755-2551795  
Email: dirgeoms@mp.gov.in

क्रमांक 5812/भौतिकी/नएक/2022 भोपाल दिनांक 13/4/22

कालिका  
गिरवा - समस्त  
मध्यप्रदेश

विषय - बालू, रेत, चूना तथा नदी किनारे खनिज (सिंह खनिज) के विस्तार तथा खनिकर्म के विस्तार  
संबंधित विस्तार सेवाएं किताब बनाने संबंध

कारण - प्रस्तावित एवं और अलग-अलग खनिज क्षेत्रों के विस्तार के लिए  
प्रस्ताव 3811 दिनांक 25.12.20

उपरोक्त विषय-संबंधी प्रस्ताव के अनुसार

अभिलेखित अनुसार प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार  
विशेष प्रस्ताव मिला संबंधित प्रस्तावों के अनुसार  
13.03.2022 को मध्यम से विस्तार प्रस्तावों के अनुसार  
मदति किताब बनाने के निर्देश दिए गए  
अतः अनुसंधान के लिए प्रस्तावों के अनुसार  
संगत खनिज क्षेत्र प्रस्तावों के अनुसार प्रस्तावों के अनुसार  
करने का कष्ट करें

क्रमांक 5813-14  
प्रतिलिपि -

1. प्रस्ताव संबंधित प्रस्तावों के अनुसार  
और सूचनाएं प्रस्तावों के अनुसार
2. खनिज अभिलेखित प्रस्तावों के अनुसार  
कार्यवाही प्रस्तावों के अनुसार

गुप्त दि. 21/04/22  
1295  
19/04/22

M.O.  
18 APR 2022  
अधीक्षक  
अधीक्षक



# District Survey Report: Burhanpur

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-बुरहानपुर (म०प्र०)

क्रमांक/184 /खनिज/2022  
प्रति,

बुरहानपुर, दिनांक 04/05/2022

जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी  
कार्यालय कलेक्टर (NIC)  
जिला बुरहानपुर, म.प्र.

विषय :- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डी.एस.आर.) के प्रारूपी आमजन के अवलोकन/सुझाव हेतु 1 माह के लिए कलेक्टर कार्यालय में एक प्रति रखे जाने तथा कलेक्टर कार्यालय बुरहानपुर के एन.आई.सी. पोर्टल पर पोस्ट/दर्शित किये जाने बाबत।

संदर्भ :- संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म) मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक 2981/खनिज/विधि/न.क्र./ 2022, भोपाल दिनांक 03/03/2022

....

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662/2022 (बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10/11/2021 भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 15/01/2016 तथा अधिसूचना दिनांक 25/07/2018 सस्टेनेबल सेंड माइनिंग मैनेजमेन्ट गाईड लाईन 2016 एवं इनफोर्समेन्ट फार सेण्ड माइनिंग 2020 गाईड लाईन के पालन में संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म) म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक 2981/खनिज/विधि/न.क्र./2022 दिनांक 03/03/2022 में वर्णित दिशा गठित समिती द्वारा वर्ष 2021-22 हेतु प्रारूप जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) के प्रारूपी आम-जन के अवलोकन/सुझाव हेतु 01 माह के लिए कलेक्टर कार्यालय में एक प्रति रखे जाने तथा कलेक्टर कार्यालय बुरहानपुर के एन.आई.सी. पोर्टल पर पोस्ट/दर्शित किया जाने के निर्देश दिए गए हैं।

अतः उपरोक्तानुसार समिती द्वारा अनुमोदित वर्ष 2021-22 हेतु जिला खनिज (रेत) सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (खनिज रेत को छोड़कर) प्रारूप पत्र के संलग्न प्रेषित कर लेख है कि उन्हें आम-जन के अवलोकन/सुझाव हेतु 01 माह के लिए कलेक्टर कार्यालय बुरहानपुर के एन.आई.सी. पोर्टल पर पोस्ट/दर्शित करने हेतु उचित कार्यावाही करने का कष्ट करे।

संलग्न :- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) कुल -2

*SmapTomap*  
खनि अधिकारी

जिला बुरहानपुर

बुरहानपुर, दिनांक 04/05/2022

पृ.क्रमांक/185 /खनिज/2022  
प्रतिलिपि :-

1. सदस्य-सचिव, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC), पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल-462016 (म.प्र.)
2. संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म), भौमिकी तथा खनिकर्म, 29-ए 'अरेरा हिल्स' खनिज भवन भोपाल की ओर सूचनार्थ।
3. कलेक्टर महोदय, जिला बुरहानपुर की ओर सूचनार्थ।
4. अवर सचिव, म.प्र. शासन खनिज साधन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल की ओर सूचनार्थ।

o/c

*SmapTomap*  
खनि अधिकारी

जिला बुरहानपुर

# कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बुरहानपुर, म.प्र.

Email Id-modgmbur@mp.gov.in

क्रमांक/395 /खनिज/2022  
प्रति,

बुरहानपुर, दिनांक 03 / 10 /2022

सदस्य-सचिव

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (RSC)  
पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी  
भोपाल-462016 (म.प्र.)



विषय :- जिला बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) में कमी की पूर्ति करने के संबंध में;  
संदर्भ :- संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म) मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक 2981/खनिज/विविध/न.क्र./  
2022, भोपाल दिनांक 03/03/2022

....

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील क्रमांक 3661-3662(बिहार राज्य एवं अन्य विरुद्ध पवन कुमार एवं अन्य) में पारित आदेश दिनांक 10/11/2021 भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 15/01/2016 तथा अधिसूचना दिनांक 25/07/2018 सस्टेनेबल सेंड माईनिंग मेजेजमेन्ट गाईड लाईन 2016 एवं इनफोर्समेन्ट फार सेण्ड माईनिंग 2020 गाईड लाइन के पालन में संचालक (प्रशासन एवं खनिकर्म) म.प्र. भोपाल के संदर्भित पत्र में वर्णित दिशा निर्देशानुसार वर्ष 2021-22 हेतु प्रारूप जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) तैयार किये जाने हेतु गठित समिती द्वारा वर्ष 2021-22 हेतु जिला खनिज (रेत) सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (खनिज रेत को छोड़कर) तैयार की जाकर अनुमोदित की गई है एवं इस कार्यालय के पत्र दिनांक 13/09/2022 द्वारा आपके कार्यालय में प्रस्तुत की गई है।

यह कि दिनांक 21/09/2022 को DSR की बैठक में जिला बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में 16 कॉलम की जानकारी, पौधा रोपन, वर्षा ऋतु की जानकारी, पट्टेदारों की जानकारी की पूर्ति किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

अतः उक्त संबंध में जिला बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में कमी की पूर्ति कर जिला खनिज (रेत) सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (खनिज रेत को छोड़कर) संलग्न अनुमोदित 2 (DSR) अग्रिम कार्यवाही हेतु आपकी ओर प्रेषित है।

संलग्न :- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (DSR) कुल -2

  
खनिज अधिकारी

जिला बुरहानपुर

बुरहानपुर, दिनांक 03 / 10 /2022

पृ. क्रमांक/ 396 /खनिज/2022  
प्रतिलिपि :-

संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म, 29-ए, 'खनिज भवन' अरेरा हिल्स भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित है।

  
खनिज अधिकारी

जिला बुरहानपुर



# District Survey Report: Burhanpur


## INDEX

Sr. No.	Content	Page No.
1	Introduction	1-7
2	Overview of Mining Activity in the District	8-9
3	The List of Mining Lease in the District with location, area and period of validity	10-14
4	Details of Royalty or Revenue received in last three years	15
5	Detail of Production of Sand in last three years	15
6	Process of Deposition of Sediments in the rivers of the district	16-27
7	General Profile of the District	28-29
8	Land Utilization Pattern in the district: Forest, Agriculture, Horticulture, Mining etc.	30-34
9	Physiography of the District	35
10	Rainfall: month-wise;	36
11	Geology and Mineral Wealth	37-40
12	Drainage and Irrigation Pattern	42
13	List of Sand Mining Area based on Pre-Monsoon	43
	Tables Sand Mining Area based on Post-Monsoon	44
	Drainage System with description of main rivers	45
	Salient Features of important rivers and streams	46

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority (M.P.)  
(EPCA)  
Paryavaran, Bhopal (M.P.)  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

# District Survey Report: Burhanpur

	Length and width of the sand mines	47
	Details of Annual Deposition Sand	48
	Mineral Potential Data 60 %	49
14	Photographs of Sand Mines	50-56
15	Google Images of Sand Mines	
16	Risk Assessment & Disaster Management Plan:	57

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## DISTRICT SURVEY REPORT: BURHANPUR

### 1 Introduction :-

In pursuance to the Gazette Notification, Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF& CC), the **Government of India Notification No S.O. 141 (E) Appendix-X, Dated 15.01.2016 & S.O. 3611 (E) New Delhi, 25th July 2018** laid procedure for preparation of District Survey Report of sand mining or river bed mining. The main purpose of preparation of District Survey Report (DSR) is to identify the Sand resources and developing the sand mining activities along with other relevant data of the District. The process of making a DSR includes:

- Collection of baseline data from the department
- Development of related maps from satellite and secondary sources
- Understanding river flows and sedimentation vis-à-vis sand mining
- Tabulation and mapping of existing sand mining locations and yield
- Correlation with satellite data for pre and post monsoon sand yield
- Suggesting new locations for sand mining approvals
- Design and Development of DSR as per MoEF guidelines
- Interaction with line department for data / document ownership

For the first time, the Ministry of Environment, Forests and Climate Change (MoEF&CC) has released guidelines to monitor and check illegal sand mining in the country.

- Sustainable Sand Management Guidelines (SSMG), 2016 focuses on the management of sand mining, but there was a need to have guidelines for effective enforcement of regulatory provisions and their monitoring.
- The 2020 guidelines are to be enforced simultaneously with the SSMG, 2016, in case of conflict; the new set will hold legal precedence. The Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957 has empowered state governments to make rules to prevent illegal mining, transportation and storage of minerals.

*Ashta*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority (E.E.C.)  
Parvateerani, Parbhani (M.P.)  
E-5, Ashta Colony, Burhanpur (M.P.)

- However, there were a large number of illegal mining cases in the country and in some cases, many of the officers lost their lives while executing their duties to curb illegal mining.
- Illegal and uncontrolled illegal mining also leads to loss of revenue to the State and degradation of the environment.

The fair and rapid advancement of technology in country has enabled surveillance and remote monitoring in the field of mining for the effective monitoring of the mining activities, particularly, sand mining. States are now utilizing remote sensing to prevent illegal mining. Rules have been made to prevent illegal mining, transportation and storage of minerals but in the recent past, it has been observed that there was large number of illegal mining cases in the country and in some cases, many of the officers lost their lives while executing their duties for curbing illegal mining incidence. The illegal and uncontrolled illegal mining leads to loss of revenue to the State and degradation of the environment. Thus, an effective policy for monitoring of sand mining in the Country has been enforced focusing on the effective monitoring of the sand mining since from the identification of sand mineral sources to its dispatch and end-use by consumers and the general public.

- Source to Destination Monitoring: The new set of guidelines focuses on the effective monitoring of sand mining from the identification of sand mineral sources to its dispatch and end-use by consumers and the general public and look at a uniform protocol for the whole country.
- Constantly monitor mining with drones and night surveillance of mining activity through night-vision drones.
- Audits: States to carry out river audits and put detailed survey reports of all mining areas in the public domain.
- Transparency: Online sales and purchase of sand and other riverbed materials (RBM) for transparency in the process.
- Enforcement: It gives directions to states to set up dedicated task forces at district levels. In cases where rivers become district boundaries or state boundaries, the districts or states having the boundary shall constitute the combined task force for monitoring of mined materials, mining activity and participate in the preparation of District Survey Reports (DSR) by providing appropriate inputs.
- Sustainability: Conduct replenishment study for river bed sand in order to nullify the adverse impacts arising due to excessive sand extraction.

*Aetion*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, MP.  
 (EPCO)  
 Parvathan Parisaad, I.P.  
 Arera Colony, Bhopal (M.P.)



- While the Sustainable Sand Mining Guidelines, 2016, require the preparation of District survey Reports (DSR), which is an important initial step before grant of mining lease, the government has found that the DSRs carried out by state and district administrations are often not comprehensive enough, allowing space for illegal mining.

Location and Boundaries :- **Burhanpur** is a city in the Indian state of Madhya Pradesh. It is the administrative seat of Burhanpur District. It is situated on the north bank of the Tapti River and 340 kilometres (211 mi) southwest of the state's capital city of Bhopal.

**History** : Burhanpur District was created on 15 August 2003, from the southern portion of Khandwa District. The Tapti River flows through the district from east to west. The district is divided from Khandwa District on the north by the Satpura Range, which is also the divide between the Narmada River valley and the valley of the Tapti. The pass through the Satpuras that connects Burhanpur and Khandwa is one of the main routes connecting northern and southern India, and the Asirgarh fortress, which commands the pass, is known as the "Key to the Deccan". The district is divided into two development blocks, Burhanpur and Khaknar, and three tehsils, Nepanagar, Burhanpur, and Khaknar. Burhanpur District is part of Indore Division. Burhanpur is one of the most prominent places for the people of Dawoodi Bohra Community as Burhanpur houses one of the holiest and largest dargah (Dargh-E-Hakimi) of the community.

The district was historically part of the Nimar and Khandesh regions, Khandesh subha (provincence), and was part of the various dynasties that rose and fell here. During the rise of Buddhism, the region was part of Avanti. The Mauryas ruled the region for a while, and were succeeded by the Satavahanas, Vakatakas. The region was part of the Gupta empire but after its collapse passed to Harshavardhana in 608 CE. Asirgarh and its surroundings were then ruled by the Tak Rajputs. In 1296, Alauddin Khilji conquered Asirgarh.

In the Mughal rule of India, this district was part of Khandesh provincence and Burhanpur was its capitol city.<sup>[1]</sup> In 1536, Humayun visited Burhanpur and forced the submission of Raja Ali Khan, also known as Adlil Shah, who controlled Burhanpur and Asirgarh. His son Bahadur Khan rebelled against

Akbar, who soon arrived personally in the region to examine Asirgarh fort for himself. Shah Jahan stayed in the fort starting in 1630 for 2 years to conduct operations against the various Deccan powers, and there his beloved wife Mumtaz Mahal died and was initially buried in Burhanpur. In 1632, Shah Jahan left and left Mahabat Khan as viceroy of the Deccan.

Burhanpur was under the control of Aurangzeb in the late 17th century. In 1681, the Marathas made their first raid on Khandesh and sacked Burhanpur. In 1720, the Nizam of Hyderabad took over control of all Mughal possessions in the Deccan, including Burhanpur, but was constantly beset by the forces of Maratha Peshwa Balaji Rao I until it was ceded to the Marathas. The district was variously controlled by the Scindias or Holkars until in 1818, it came under British rule after the Third Anglo-Maratha War.

In 1857, Tatya Tope passed through the district during the rebellion. Various nationalist figures and freedom fighters arose in the Nimar region. After Independence the district became part of the newly-formed state of Madhya Pradesh.

  
State Environment  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## 1.1 General Features

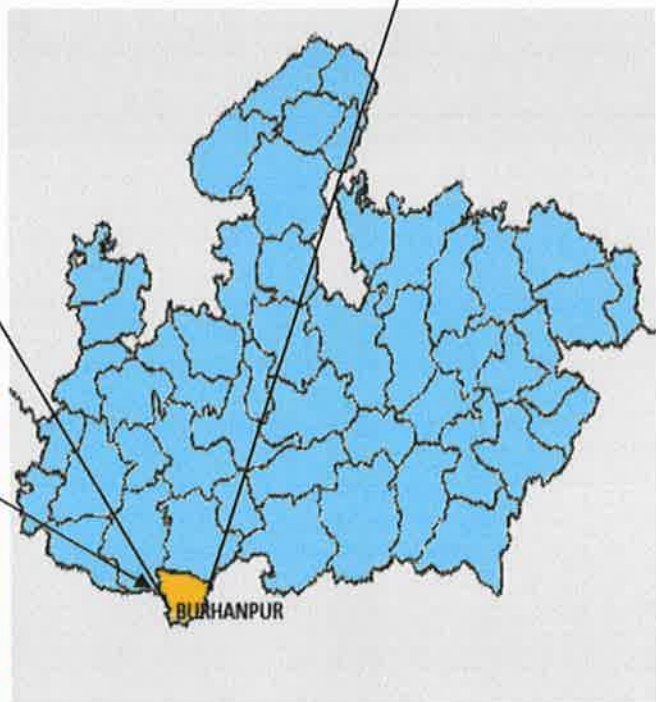
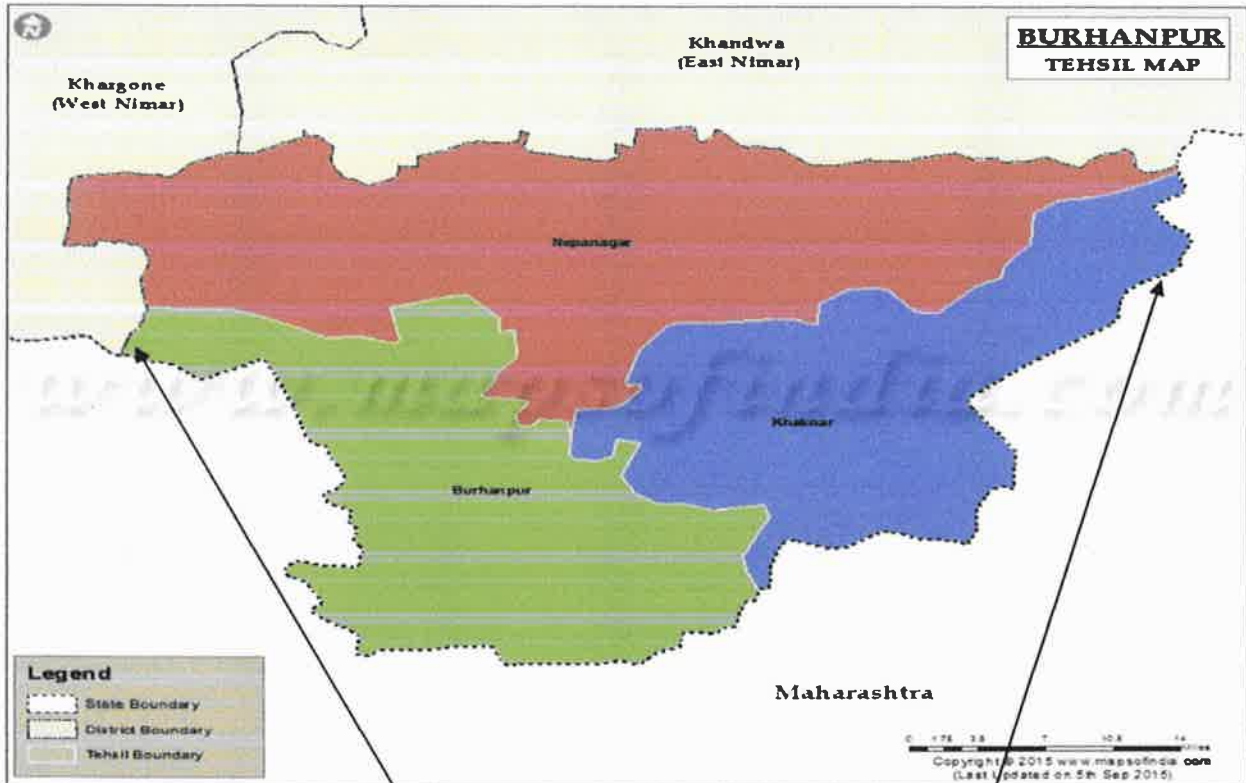
**Table 1 Administrative Setup of the District**

SUB DIVISION	TEHSIL	BLOCK
1	2	3
BURHANPUR	BURHANPUR	BURHANPUR
	NEPANGAR	NEPANGAR
	KHAKNAR	

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

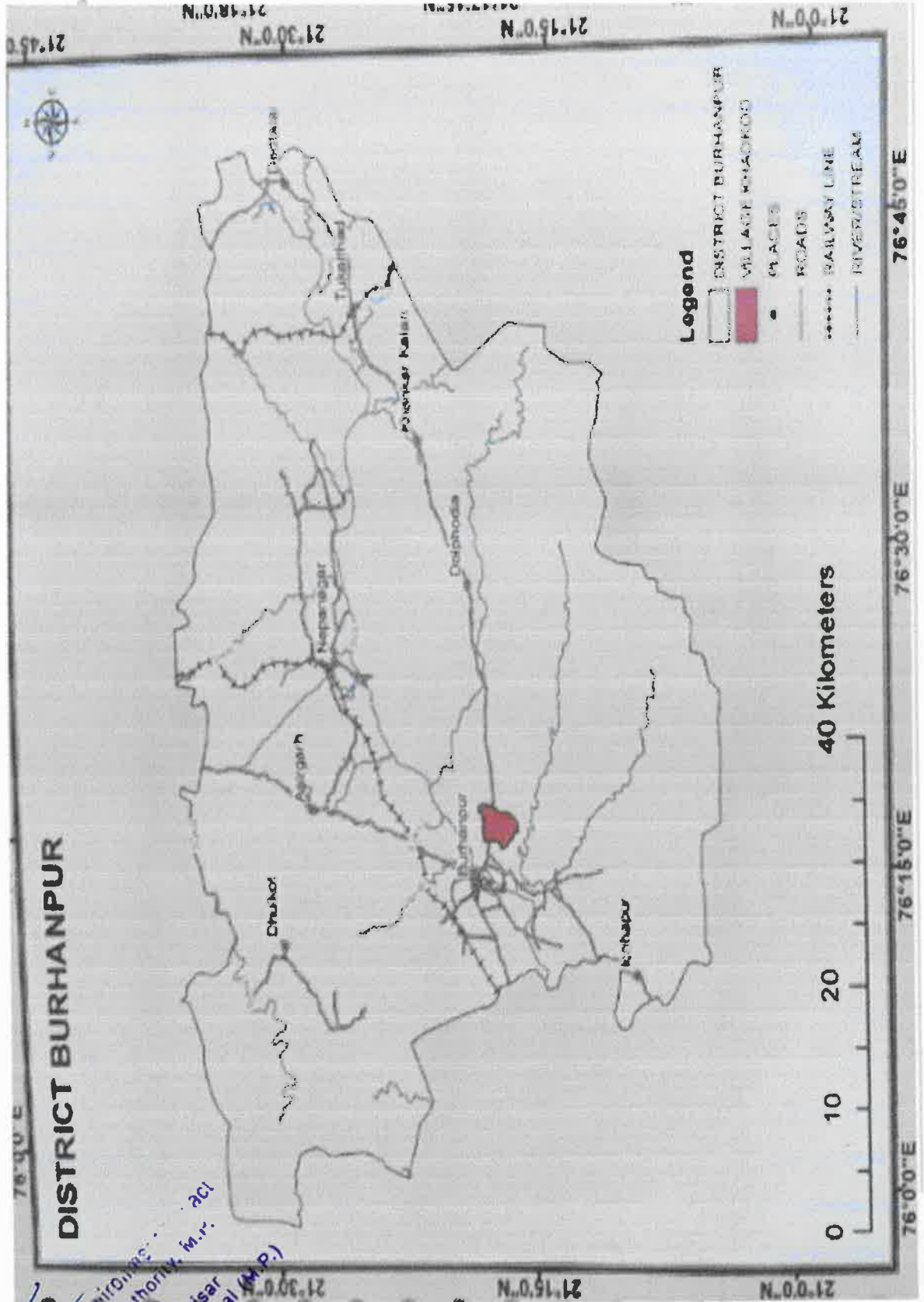
## 1.2 Location of the District

# LOCATION MAP OF BURHANPUR DISTRICT



*Asst. Secy*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(E-PCO)  
Paryavaran Parisar  
C-5, Antra Colony, Bhopal (M.P.)

# BASE MAP OF BURHANPUR DISTRICT



*Akshay*  
Level Environmental  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Aera Colony, Bhopal (M.P.)




## 2. OVERVIEW OF MINING ACTIVITY IN THE DISTRICT

Land and water are the basic aspects of development of any economy. Economic development is the output of development of these natural resources in a sustainable manner. District is well endowed with fabulous amount of minor minerals i.e. building stone and sand. In all a sum total of Mineral Gitti 53 quarry leases of stone, Dimensional Stone-Igneous, Metamorphic and Sedimentary Rocks and Red Ocher (31 Mineral) 1 Mines and 9 auction leases of sand with a sum total of 176.804 hectare area, which is 0.051591% of the area of the district, have been sanctioned in the Burhanpur district of M.P.

### MINOR MINERAL MINED OF DISTRICT in the District (Last Three Years)

Sr. No.	Mineral	Production in Cubic Meter
1	2	3
<b>Major Mineral</b>		
1	Nil	Nil
<b>Minor Mineral</b>		
1	Stone Gitti	337227 Cu.M.
2	Dimensional Stone-Igneous, Metamorphic and Sedimentary Rocks	350 Cu.M.
3	Red Ocher	26313 Cu.M.
4	Sand	172127 Cu.M.

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Parjavaratan Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

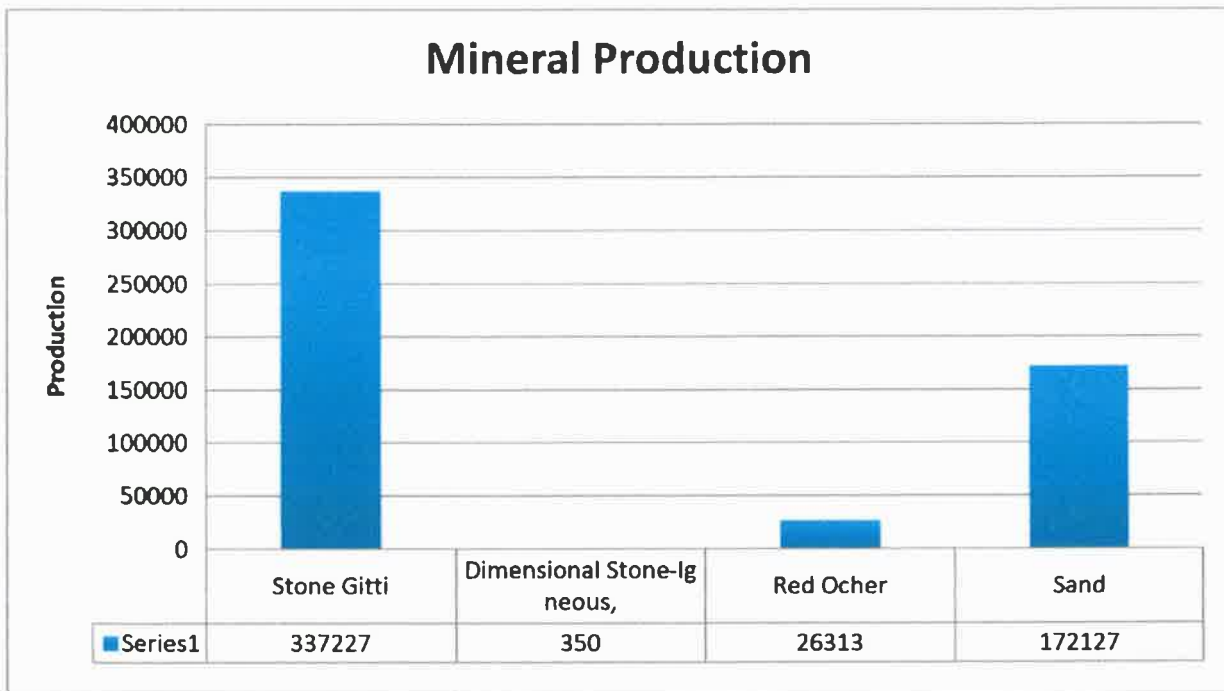


Figure 3 Production of Minor Mineral Mining in the District

*A. S. Khan*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (E.P.CO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

CHAPTER 03

THE LIST OF SAND MINING LEASES IN THE DISTRICT WITH LOCATION AREA AND PERIOD OF VALIDITY

स.क्र.	नदी या धारा	आमातहसील	लोज अवधि	खसरा नंबर	रकबा (हेक्ट. में)	स्वीकृत मात्रा (घ.मी. में)	संक्षिप्त क्षेत्र के अक्षांश देशांत	
							BR.No.	LATITUDE LONGITUDE
1	2	3	4	5	6	7	8	
1	ताप्ती नदी	रामाखेड़ा/ खकनार	30/06/2023	355	4.000	40000	A	21°32'2.601"N 76°47'15.947"E
							B	21°32'8.802"N 76°47'21.417"E
							C	21°32'11.346"N 76°47'16.197"E
							D	21°32'10.163"N 76°47'15.298"E
							E	21°32'10.357"N 76°47'15.086"E
							F	21°32'9.783"N 76°47'14.431"E
							G	21°32'9.394"N 76°47'14.755"E
							H	21°32'8.996"N 76°47'14.180"E
							I	21°32'9.291"N 76°47'13.713"E
							J	21°32'9.088"N 76°47'13.511"E
							K	21°32'8.495"N 76°47'14.136"E
							L	21°32'7.756"N 76°47'13.581"E
							M	21°32'6.965"N 76°47'11.289"E
							N	21°32'5.802"N 76°47'10.564"E


State of Madhya Pradesh  
 Assessment & Revenue Department  
 (E.P.C.O.)  
 Paryavaran Parisar  
 Arera Colony, Bhopal (M.P.)



CHAPTER 03

THE LIST OF SAND MINING LEASES IN THE DISTRICT WITH LOCATION AREA AND PERIOD OF VALIDITY

2	ताप्ती नदी	लिरसोदा/ डरहानपुर	30/06/2023	1	4,000	40000	BP.No.	LATITUDE	LONGITUDE
							A	21°15'17.164"N	76°10'17.067"E
							B	21°15'11.716"N	76°9'59.255"E
							C	21°15'15.588"N	76°9'56.531"E
							D	21°15'11.019"N	76°10'4.823"E
3	ताप्ती नदी	रतनापुर/ सेवाजगर	30/06/2023	366	4,000	40000	BP.No.	LATITUDE	LONGITUDE
							A	21°27'10.879"N	76°39'31.455"E
							B	21°27'13.024"N	76°39'28.556"E
							C	21°27'18.026"N	76°39'33.669"E
							D	21°27'24.238"N	76°39'34.036"E
							E	21°27'24.838"N	76°39'37.514"E
4	ताप्ती नदी	डरहानपुर/ सेवाजगर	30/06/2023	209	8,110	40000	BP.No.	LATITUDE	LONGITUDE
							A	21°25'3.207"N	76°36'27.106"E
							B	21°24'58.581"N	76°36'27.191"E
							C	21°24'53.399"N	76°36'2.906"E
							D	21°24'55.562"N	76°36'3.056"E

  
 State-Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parishad  
 E-9, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

CHAPTER 03

THE LIST OF SAND MINING LEASES IN THE DISTRICT WITH LOCATION AREA AND PERIOD OF VALIDITY

5	ताप्ती नदी	गव्हाना/ इरहानपुर	30/06/2023	ग्राम- गव्हाना 122, सिरसोदा 318, भातखेडा 01, हतनूर 52	6.000	30000	BR.No.	LATITUDE	LONGITUDE
							A	21°15'33.349"N	76°10'56.161"E
							B	21°15'26.787"N	76°10'44.391"E
							C	21°15'30.816"N	76°10'41.825"E
							D	21°15'33.246"N	76°10'44.956"E
							E	21°15'33.811"N	76°10'44.990"E
							F	21°15'35.250"N	76°10'49.513"E
							G	21°15'33.966"N	76°10'49.924"E
							H	21°15'35.833"N	76°10'53.282"E
6	ताप्ती नदी	नाचनखेडा/ इरहानपुर	30/06/2023	1	7.000	35000	BR.No.	LATITUDE	LONGITUDE
							A	21°14'13.133"N	76°08'25.620"E
							B	21°14'19.639"N	76°08'25.619"E
							C	21°14'26.115"N	76°08'26.265"E
							D	21°14'32.032"N	76°08'29.143"E
							E	21°14'36.851"N	76°08'33.803"E
							F	21°14'37.296"N	76°08'36.608"E
							G	21°14'33.985"N	76°08'39.024"E
							H	21°14'30.865"N	76°08'32.936"E
							I	21°14'25.906"N	76°08'28.447"E
							J	21°14'19.461"N	76°08'27.511"E
							K	21°14'13.102"N	76°08'27.461"E

State Level Authority

Assessment Authority Impact  
(EPCG)  
E-5, Arora Colony, Bhopal (M.P.)

State Level Authority

CHAPTER 03

THE LIST OF SAND MINING LEASES IN THE DISTRICT WITH LOCATION AREA AND PERIOD OF VALIDITY

7	ताप्ती नदी	फतहपुरा इरराजपुर	30/06/2023	439	13.600	40000	SR.NB:	LATITUDE	LONGITUDE
							A	21°19'12.564"N	76°15'9.203"E
							B	21°19'12.814"N	76°15'11.305"E
							C	21°19'12.442"N	76°15'13.082"E
							D	21°19'12.655"N	76°15'15.280"E
							E	21°19'114.311"N	76°15'18.695"E
							F	21°19'19.483"N	76°15'22.898"E
							G	21°19'25.081"N	76°15'26.439"E
							H	21°19'29.084"N	76°15'29.792"E
							I	21°19'32.408"N	76°15'31.940"E
							J	21°19'37.112"N	76°15'36.811"E
							K	21°19'42.515"N	76°15'42.714"E
							L	21°19'40.742"N	76°15'45.217"E
							M	21°19'36.364"N	76°15'40.079"E
							N	21°19'31.281"N	76°15'35.748"E
							O	21°19'25.810"N	76°15'31.995"E
							P	21°19'20.522"N	76°15'27.953"E
							Q	21°19'15.602"N	76°15'23.414"E
							R	21°19'11.110"N	76°15'18.394"E
							S	21°19'7.510"N	76°15'14.097"E

*Heena*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



CHAPTER 03

THE LIST OF SAND MINING LEASES IN THE DISTRICT WITH LOCATION AREA AND PERIOD OF VALIDITY

S	नोहना नदी	सुखपुरा/ इरहानपुर	30/06/2023	331, 242	30000	BP.No.	LATITUDE	LONGITUDE
						A	21°16'1.47"N	76°15'6.52"E
						B	21°16'2.04"N	76°15'6.63"E
						C	21°16'9.20"N	76°15'0.73"E
						D	21°16'9.47"N	76°15'0.23"E
S	ताप्ती नदी	रेंहवा/ इरहानपुर	30/06/2023	51, 96	25000	BP.No.	LATITUDE	LONGITUDE
						A	21°15'41.092"N	76°15'59.944"E
						B	21°15'42.127"N	76°16'0.340"E
						C	21°15'41.806"N	76°16'2.287"E
						D	21°15'42.101"N	76°16'3.051"E
						E	21°15'41.223"N	76°16'9.269"E
						F	21°15'37.74"N	76°16'12.19"E
						G	21°15'31.31"N	76°16'12.09"E
						H	21°15'27.13"N	76°16'12.21"E
						I	21°15'26.307"N	76°16'13.807"E
						J	21°15'26.360"N	76°16'14.706"E
						K	21°15'23.598"N	76°16'14.645"E
						L	21°15'24.629"N	76°16'9.637"E
						M	21°15'31.205"N	76°16'10.233"E
						N	21°15'37.625"N	76°16'9.405"E
						O	21°15'40.957"N	76°16'3.420"E

*Arora*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(SEIAA)  
Parsavaran Puram,  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

**4. Details of Sand Royalty received in last three years for Sand Mine lease (2017-18, 2018-19 and 2019-2020):**


**Revenue Received in last Three Years for sand Mined Lease**

Year	Sand Royalty (Rs.)
2017-18	37323887
2018-19	7706562
2019-20	1006250

**5. Details of Sand and Minor Mineral Production in last Three Years received in last three years for Sand Mine lease (2017-18, 2018-19 and 2019-2020):**

**Sand Production in last 3 years**

Year	Production(In Cu.Mt)
2017-18	62044.00
2018-19	30774.00
2019-20	28152.62

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 6. Process of Deposition of sediments in the rivers of the District

### Formation of sand

Majority of rivers originate from mountains and as they continue their journey with force, through these mountains, the bigger rocks and boulders disintegrate slowly, and over a period of time, starts rolling down as fragments. These fragments become smaller and smaller due to weathering process by water, wind and other rocks. Thus, developed sand particles are transported, washed and stored and again transported during floods and deposited at river beds and largely on river shores. In case the sand deposits are mined / removed, cavities are formed in their place and again filled during next cycle(s) of deposition.


River sand is preferred as a source of sand because of the following factors:

- Cities tend to be located near rivers so transport costs are low, the energy in a river grinds rocks into gravels and sands,
- Eliminating the costly step of mining, grinding, and sorting of rocks
- The material produced by rivers tends to consist of resilient minerals of angular shape that are preferred for construction.
- Also, offer the advantages of being naturally sorted by grain-size, easily accessible, and able to be transported inexpensively using barges. Despite plentiful supplies of desert sand (Aeolian), which produce materials unsuitable for making concrete. A meandering stream has a single channel that wind snakelike through its valley. As water flows around these curves, the outer edge of water is moving faster than the inner edge. This creates an erosion surface on the outer edge (a cut bank) and a depositional surface on the inner edge (a point bar). Where the bends of two meanders meet, they bypass the curve of river, creating an oxbow lake which may then be in-filled with over wash sediment. Meanders change position by eroding sideways and slightly downstream. The sideways movement occurs because the maximum velocity of the

*Aector*  
State Level Environmental Impact  
Assessment Authority  
(EPCO)  
Parvavaran Parishad  
E-S, Anara Colony, Bhopal (M.P.)



stream shifts toward the outside of the bend, causing erosion of the outer bank. At the same time the reduced current at the inside of the meander results in the deposition of coarse sediment, especially sand. Thus by eroding its outer bank and depositing material along its inner bank, a stream moves sideways without changing its channel size. Due to the slope of the channel, erosion is more effective on the downstream side of a meander. The specific gravity of an aggregate is considered as the measure of strength or quality of the material. Specific gravity is defined as the ratio of weight of a given volume of aggregate to the weight of equal volume of water. Aggregates having low specific gravity are generally weaker than those with aggregates having high specific gravity. This property helps in a general identification of aggregates. The specific gravity of (sand) is considered to be around 2.65 to 2.67. Sand particles composed of quartz have a specific gravity between 2.65 to 2.67. While inorganic clays generally range from 2.70 to 2.80. Soils with large amounts of organic matter or porous particles have specific gravity below 2.60 (Some range as low as 2.00).

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

- **Sources of sand**

Sand is world's second most consumed natural resource after water. Rapid urbanization and global population growth have created unbound demand for this limited natural resource. With urbanization as key driving factor, construction industry has expanded considerably over the last few decades leading to overuse of river sand for construction purposes. This increasing discrepancy between the need for aggregates in the society and scarcity of natural sand due to exhaustion of resources and environmental considerations, has urged concrete manufacturers to look for a suitable and sustainable alternative fine aggregate. The economical and ecological alternative is manufactured sand.

- **Natural Sources**

Natural sand is produced by natural forces, such as river sand and sea sand. Generally, sand found at foot of mountains is more weathered, containing more mud, organic impurities and light substances. Sea sand often contains shells and other impurities, and its components such as the chlorine, sulfate and magnesium salts may cause corrosion of steel bars. All the components will affect the performance of concrete. Sources of sand can be river bed material, de-siltation pits in reservoirs/dams, agricultural land etc. these can be broadly classified as: Following are the natural types of the sand:

*A. K. S.*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar,  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

- 

- **Pit Sand**

This sand is found as deposits in soil and it is obtained by forming pits into soils. It is excavated from a depth of about 1 m to 2 m from ground level. The pit sand consists of sharp angular grains which are free from salts and it proves to be excellent material for mortar or concrete work. For making mortar, the clean pit sand free from organic matter and clay should only be used.

- **River Sand**

This sand is obtained from banks or beds of rivers. The river sand consists of fine rounded grains probably due to mutual attrition under the action of water current. The colour of river sand is almost white. As river sand is usually available in clean condition, it is widely used for all purposes.

- **Sea Sand**

This sand is obtained from sea shores. The sea sand, like river sand, consists of fine rounded grains. The colour of sea sand is light brown. The sea sand contains salts. These salts attract moisture from the atmosphere. Such absorption causes dampness, efflorescence and disintegration of work. The sea sand also retards the setting action of cement. Due to all such reasons, it is the general rule to avoid the use of sea sand for engineering purposes except for filling of basement, etc. It can however be used as a local material after being thoroughly washed to remove the salt.

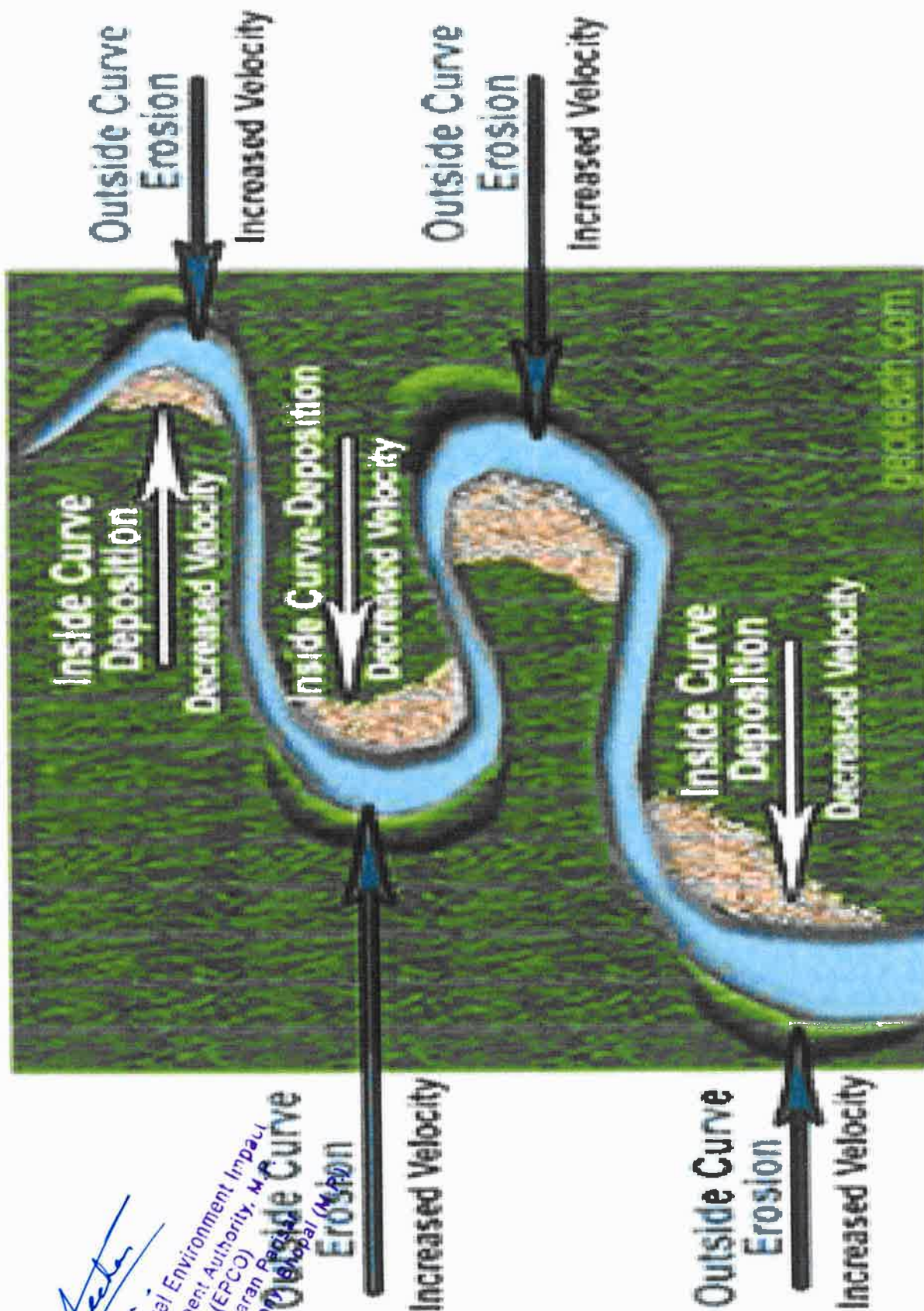
*Aeeta*  
ASSESSMENT AUTHORITY  
(EPCO)  
Paliyavaran Parisar  
E-5, Aeeta Colony, Bhopal (M.P.)



### 7.1.2 Manufactured Sand

Manufactured sand (M-Sand) is artificial sand produced from crushing hard stones into small sand sized angular shaped particles (rock particles with a particle size of less than 4.75 mm and is made by artificial crushing and sieving after soil removal treatment), washed and finely graded to be used as construction aggregate. It is a superior alternative to River Sand for construction purpose. The main technical indicators of artificial sand are particle gradation, fineness modulus, stone powder content, void ratio, apparent density, bulk density, methylene blue value (MB), crushing value index, mica content, light-matter content, etc.

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



*A. S. S.*

State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(ERCO)  
Paryavaran Prasthiti  
E-5, Arera Colony  
Bhopal (M.P.)

**Outside Curve  
Erosion**

**Increased Velocity**

**Outside Curve  
Erosion**


**Increased Velocity**

## Sand Replenishment Plan and Projections

### Sand Replenishment Assessment

The process of sand replenishment is highly dependent upon the rainfall received in the catchment areas of rivers and their tributaries and velocity of river . It is a dynamic process . Thus it is difficult to predict , what quantity of sand may be reclaimed / replenished by river . Because , in case of less rain , less water in the river , there may be less erosion and transportation may also be minimal and as a result deposition too will be less . Moreover , in case of floods , the sudden gush of water may force the change in river course , thus old sites of sand deposition may not be relevant . Thus , the above figures may just be a mere prediction , based on the production in the preceding years . More so , practically , it is not possible that in such a short period , single person can visit each spot within the district and determine how much quantity of sand may be replenished every year . The data narrated in the report , regarding annual deposition of sand and associated aggregates and minable mineral potential is concerned , is only an estimation based on the production data provided by the district mining oOffice . Thus , the figures may vary from area to area and year on year basis . Therefore , this document is not a static one but have to be a dynamic one , the figures of which may vary with respect to the area under question for which the prior environmental clearance will be sought .

In order to establish a safe extraction limit , such that the extracted sand gets replenished annually , a replenishment study is to be carried out . For this purpose , the river bed RL at selected points in the dry portion of riverbed will be measured during pre - monsoon period and again during post- monsoon period in order to assess the annual quantum of sand deposition. If it is observed that,there is an average increase in riverbed R it shows that it is due to deposition of sand during the monsoon flow of the river and by multiplying it with the area of lease one can measure the quantity of sand replenished every year .

  
State Level Environment  
Assessment Authority,  
(EPCO)  
Paryavaran Parishad,  
E-5, Arera Colony, Bhopal, M.P.



Sand quarrying from the river bed will have both positive and negative impacts .

## Negative Impacts

It includes destruction of natural river course , sand erosion , bank erosion , bank cutting and widening and deepening of river bed , change in hydrological status and recharging conditions and destruction to closely linked flora , una and aquatic life .

## Positive Impacts

Employment and socio - economic status of the habitats living besides the river depends on sand mining industries . Construction of concrete infrastructure , roads and some other related activities depends on the river bed sand . Continuous accumulation of sand ultimately leads to the reduction in water carrying capacity of the river leading excessive flood in the river . Sustainable extraction of sand from river will lead to overcoming the problem . Initially replenishment study requires four surveys . The first survey needs to be carried out in the month of April for recording the level of mining lease before the monsoon . The second survey is at the time of closing of mines for monsoon season . This survey will provide the quantity of the material excavated before the offset of monsoon . The third survey needs to be carried out after the monsoon to know the quantum of material deposited / replenished in the mining lease . The fourth survey at the end of March to know the quantity of material excavated during the financial year . For the subsequent years , there will be a requirement of only three surveys . The results of year - wise surveys help the state government to establish the replenishment rate of the river . Based on the replenishment rate future auction may be planned . The replenishment period may vary on nature of the channel and season of deposition arising due to variation in the flow . Such period and season may vary on the geographical and precipitation characteristic of the

*Dr. S. K. Singh*  
State Level Environmental Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
H.S. Arera Colony, Bhopal (M.P.)

region and requires to be defined by the local agencies preferable with the help of the Central Water Commission and Indian Meteorological Department . The excavation will , therefore , be limited to estimated replenishment estimated with consideration of other regulatory provisions .

## **Need for Sand Replenishment Study and Factors to be considered**

Environmental status of the mined out area may be affected badly if proper care is not taken to ensure sustainable extraction of sand from river bed . Proper study of the following factors must be taken into consideration to reveal the actual potential of sand deposition in river course after completion of periodical excavation annually . The main factors to be considered for the study of the replenishment potential of particular river course are : Formation of sand comprises of the following :

- Catchment area and geographical strata
- Erosion, weathering and transportation of load
- Climatic conditions, precipitation
- Geomorphology, physiographic manmade structures and activity details

**Deposition / sedimentation of material or sediment yield depends upon several factors like :**

- Catchment area
- Span of river / flood plain
- Travelling distance of suspended particles
- Slope / gradient / depth of water channel ; / meandering of river
- Geology traversed
- Climatic conditions
- Tributaries / confluence
- Type / stage of river and flow velocity
- Flow during lean period

*Aseem*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arena Colony, Bhopal (M.P.)

## Sand Mining

Sand Mining is an activity referring to the process of the removal of sand from rivers, streams and lakes.

- Sand is mined from beaches and dredged from river beds.
- There are no official figures for the amount of sand mined illegally, but in 2015- 16, there were over 19,000 cases of illegal mining of minor minerals, which include sand, in the country.
- To stop illegal mining, the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF) issued Enforcement and Monitoring Guidelines for Sand mining.
- These guidelines focus on the effective monitoring of the sand mining.

Following considerations shall be kept in mind for sand mining:

- Parts of the river reach that experience deposition or aggradations shall be identified. The Leaseholder/ Environmental Clearance holder may be allowed to extract the sand and gravel deposit in these locations to manage aggradations problem.
- Sand and gravel may be extracted across the entire active channel during the dry season.
- Abandoned stream channels on the terrace and inactive floodplains are to be preferred rather than active channels and their deltas and flood plains. The stream should not be diverted to form the inactive channel.
- Layers of sand which could be removed from the river bed shall depend on the width of the river and replenishment rate of the river.
- Sand shall not be allowed to be extracted where erosion may occur, such as at the concave bank.
- Segments of the braided river system should be used preferably falling within the lateral migration area of the river regime that enhances the feasibility of sediment replenishment.
- Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometre (1 km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
- Sand and gravel could be extracted from the downstream of the sand bar at river bends. Retaining the upstream one to two-thirds of the bar

*Arach*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Parvavaran, Parisar  
Araola Colony, Bhopal (M.P.)



and riparian vegetation is accepted as a method to promote channel stability.

- The flood discharge capacity of the river could be maintained in areas where there is a significant flood hazard to existing structures or infrastructure. Sand and gravel mining may be allowed to maintain the natural flow capacity based on surveyed cross-section history. Alternatively, off-channel or floodplain extraction is recommended to allow rivers to replenish the quantity taken out during mining.
- The Piedmont Zone (Bhabhar area) particularly in the Himalayan foothills, where riverbed material is mined, and this sandy-gravelly track constitute excellent conduits and hold the greater potential for groundwater recharge. Mining in such areas should be preferred in locations selected away from the channel bank stretches.
- Mining depth should be restricted to 3 meters and distance from the bank should be  $\frac{1}{4}$ th or river width and should not be less than 7.5 meters.
- Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
- A buffer distance /un-mined block of 50 meters after every block of 1000 meters over which mining is undertaken or at such distance as may be the directed/prescribed by the regulatory authority shall be maintained.
- River bed sand mining shall be restricted within the central  $\frac{3}{4}$ th width of the river/rivulet or 7.5 meters (inward) from river banks but up to 10% of the width of the river, as the case may be and decided by regulatory authority while granting environmental clearance in consultation with irrigation department. Regulating authority while regulating the zone of river bed mining shall ensure that the objective to minimize the effects of riverbank erosion and consequential channel migration are achieved to the extent possible. In general, the area for removal of minerals shall not exceed 60% of the mine lease area, and any deviation or relaxation in this regard shall be adequately supported by the scientific report.
- The mining from the area outside river bed shall be permitted subject to the condition that a safety margin of two meters (2 m) shall be maintained above the groundwater table while undertaking mining and no mining operation shall be permissible below this level unless

specific permission is obtained from the Competent Authority. Further, the mining should not exceed nine-meter (9 m) at any point in time.

- The permanent boundary pillars need to be erected after identification of an area of aggradations and deposition outside the bank of the river at a safe location for future surveying. The distance between boundary pillars on each side of the bank shall not be more than 100 meters.

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 7. General Profile of the District

<b>1. Geographical Position</b>	<p>Burhanpur District was created on 15 August 2003, from the southern portion of <u>Khandwa District</u>. The <u>Tapti River</u> flows through the district from east to west. The district is divided from Khandwa District on the north by the <u>Satpura Range</u>, which is also the divide between the <u>Narmada River</u> valley and the valley of the Tapti. The pass through the Satpuras that connects Burhanpur and <u>Khandwa</u> is one of the main routes connecting northern and southern India, and the <u>Asirgarh</u> fortress, which commands the pass, is known as the "Key to the <u>Deccan</u>". The geographical area of Burhanpur is 3,427 km<sup>2</sup> (1,323 sq mi). The latitude is 21° 18' 0" N, and the longitude is 76° 13' 48" E</p>
<b>2. Area and Population</b>	<p>I. Geographical Area (Sq.Km)            Total Area (Sq.Km): 3,427 km<sup>2</sup> (1,323 sq mi)            II. CENSUS 2011            I. Population            a) Total Population: 7,57,847            b) Male Population: 3,88,504            c) Female Population: 3,69,343</p>
<b>3. Temperature</b>	<p>Mean – Maximum: 48.0°C            Mean – Minimum: 19.1°C</p>
<b>4. Rainfall (In mm)</b>	<p>Annual Rainfall: 888.9 mm</p>
<b>5. Agriculture</b>	<p>a) Geographical area : 342.7 Ha.            b) Cultivable area : 104.4 Ha.            c) Forest area : 202.0 Ha.</p>
<b>6. Rivers, etc.</b>	<p>Name of the Rivers: Tapti, Utawali, Mohna, Sukta</p>
<b>7. Revenue Administrative Divisions</b>	<p>Revenue Divisions:            a) Revenue Blocks: 2            b) Revenue Villages: 266</p>
<b>8. Local Bodies</b>	<p>a) Municipalities: 2            b) Village Panchayats: 167</p>

State Level Environment Impact  
 Assessment Authority (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## Census Data 2011

### Census Data for year 2011

Description	2011
Population	7.58 Lakhs
Actual Population	757,847
Male	388,504
Female	369,343
Population Growth	19.37%
Area Sq. Km	3,427
Density/km2	221
Proportion to Madhya Pradesh Population	1.04%
Sex Ratio (Per 1000)	951
Child Sex Ratio (0-6 Age)	924
Average Literacy	64.36
Male Literacy	71.80
Female Literacy	56.58
Total Child Population (0-6 Age)	122,869
Male Population (0-6 Age)	63,874
Female Population (0-6 Age)	58,995
Literates	408,679
Male Literates	233,073
Female Literates	175,606
Child Proportion (0-6 Age)	16.21%
Boys Proportion (0-6 Age)	16.44%
Girls Proportion (0-6 Age)	15.97%

*A. Sethi*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 8. Land utilization Pattern in the District: Forest, Agricultural, Mining, etc.,

Land use/land cover (LULC) changes are main issues of universal environment change. The Satellite remote sensing data with their monotonous nature have proved to be rather useful in mapping land use/land cover decorations and changes with time. Quantification of such changes is conceivable through GIS techniques even if the subsequent spatial datasets are of dissimilar scales or resolutions. Such studies have helped in considerate the dynamics of human happenings in space and time. Land use refers to man's activities.

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

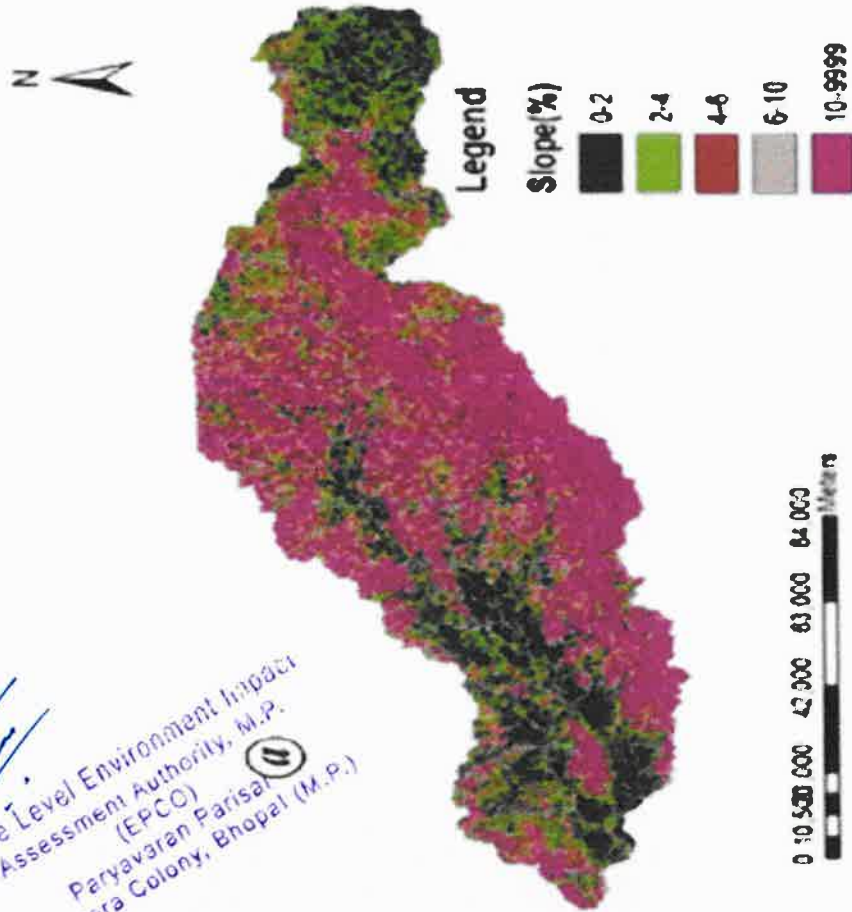
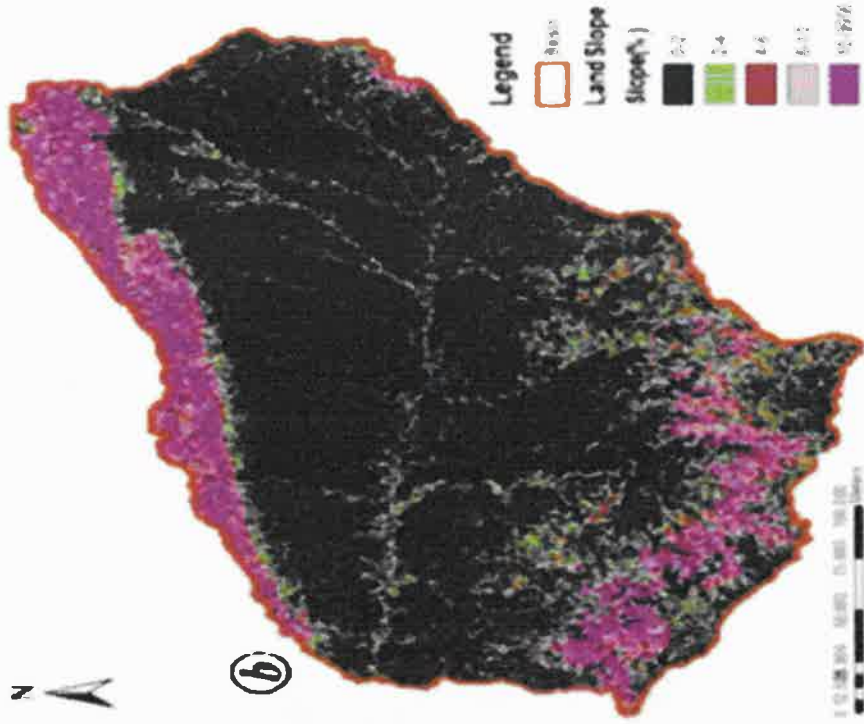
**Table 18 Land use Pattern of the Study Area**

Sr.No.	Class	Area in Ha.	Percentage of Coverage
1	Agricultural Land	103000	30.05%
2	Barren rocky	19	0.01%
3	Deciduous ( Dry / Moist / Thorn )	5429	1.58%
4	Forest Plantation	32820	9.58%
5	Gullied / Ravinous land	119	0.03%
6	Industrial	856	0.25%
7	Lake / Ponds	756	0.22%
8	Mining / Quarry	173	0.05%
9	Reservoir / Tank	1090	0.32%
10	River	13127	3.83%
11	Rural	111400	32.50%
12	Scrub Forest	42000	12.25%
13	Scrub land	2310	0.67%
14	Tree Clad Area	8742	2.55%
15	Urban	20900	6.10%
<b>Total</b>		<b>342741</b>	<b>100</b>

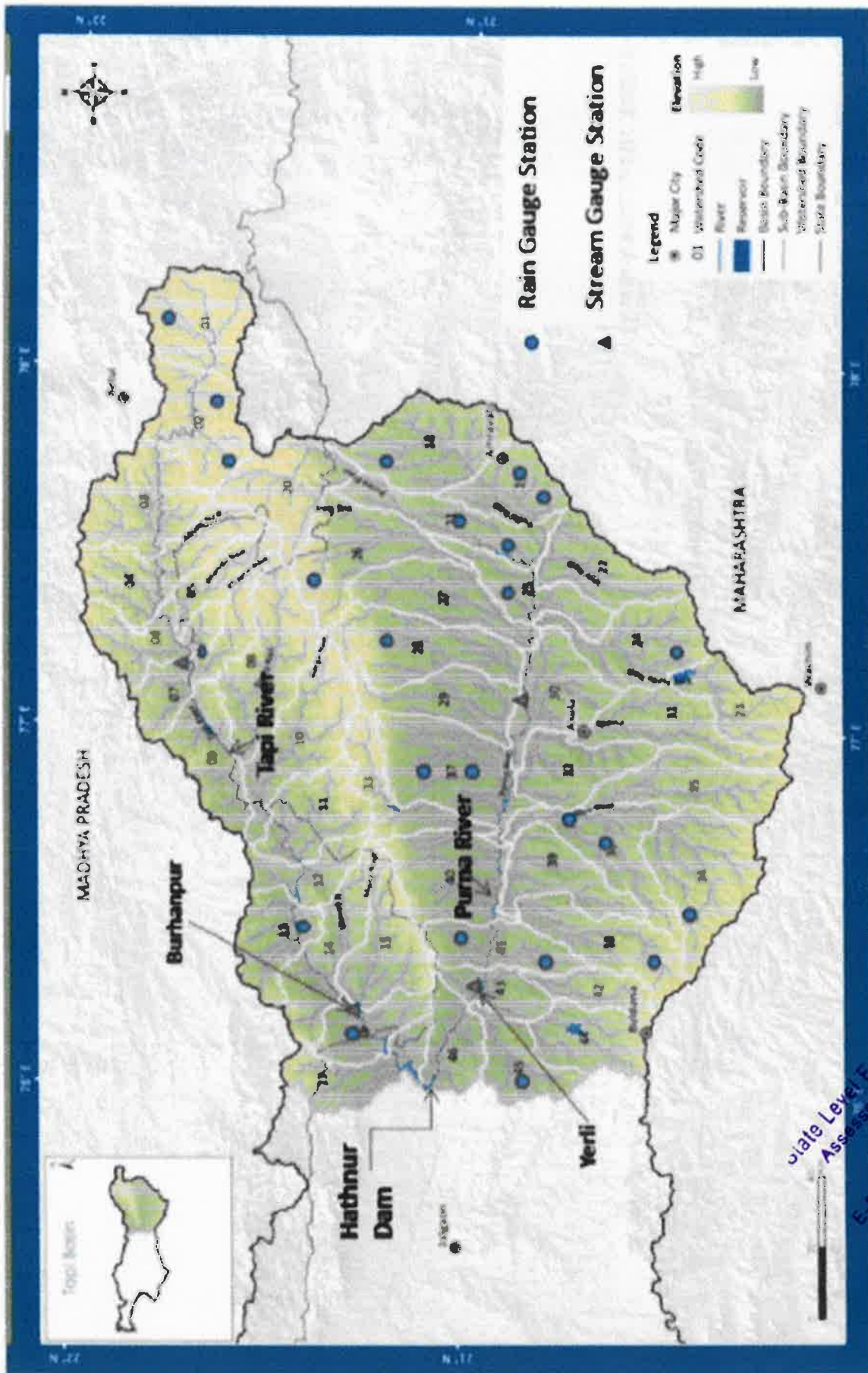
  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



*Aectan*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisad  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



**Slope maps of Upper Tapi Basin Burhanpur;**



State Level Environmental Impact Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## Land Use Breakup of the District (%)

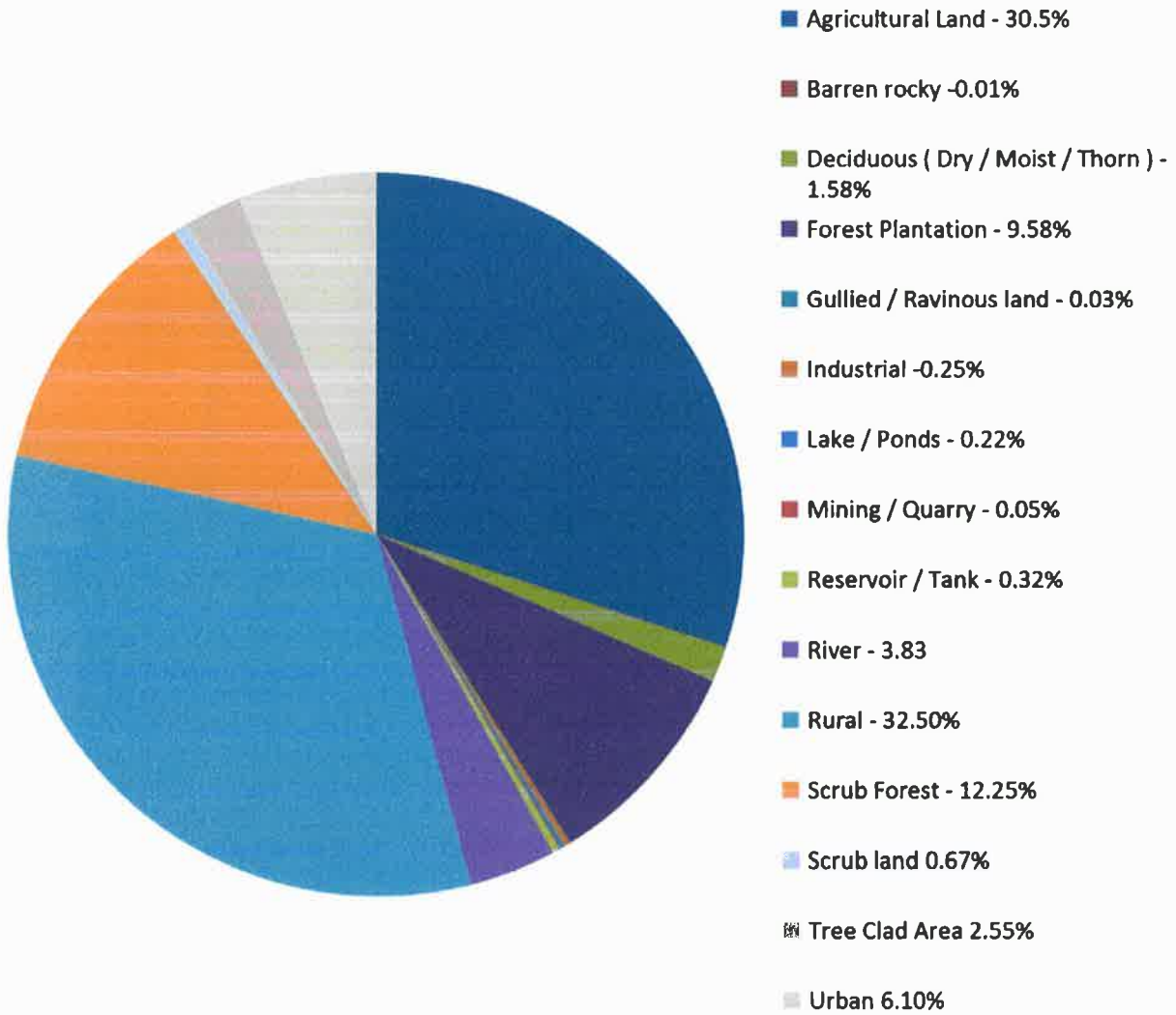


Figure 6 Land Use and Land Cover Breakup of the District

*Aetna*  
 State Level Environmental Impact  
 Assessment Authority, Madhya Pradesh  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## 9. physiography of the district

Burhanpur district was historically part of the Nimar and Khandesh regions, Khandesh subha (provincence), and was part of the various dynasties that rose and fell here. During the rise of Buddhism, the region was part of Avanti. The Mauryas ruled the region for a while, and were succeeded by the Satavahanas, Vakatakas. The region was part of the Gupta empire but after its collapse passed to Harshavardhana in 608 CE. Asirgarh and its surroundings were then ruled by the Tak Rajputs. In 1296, Alauddin Khilji conquered Asirgarh.

In the Mughal rule of India, this district was part of Khandesh provincence and Burhanpur was its capitol city.<sup>[1]</sup> In 1536, Humayun visited Burhanpur and forced the submission of Raja Ali Khan, also known as Adlil Shah, who controlled Burhanpur and Asirgarh. His son Bahadur Khan rebelled against Akbar, who soon arrived personally in the region to examine Asirgarh fort for himself. Shah Jahan stayed in the fort starting in 1630 for 2 years to conduct operations against the various Deccan powers, and there his beloved wife Mumtaz Mahal died and was initially buried in Burhanpur. In 1632, Shah Jahan left and left Mahabat Khan as viceroy of the Deccan.

Burhanpur was under the control of Aurangzeb in the late 17th century. In 1681, the Marathas made their first raid on Khandesh and sacked Burhanpur. In 1720, the Nizam of Hyderabad took over control of all Mughal possessions in the Deccan, including Burhanpur, but was constantly beset by the forces of Maratha Peshwa Balaji Rao I until it was ceded to the Marathas. The district was variously controlled by the Scindias or Holkars until in 1818, it came under British rule after the Third Anglo-Maratha War.

In 1857, Tatya Tope passed through the district during the rebellion. Various nationalist figures and freedom fighters arose in the Nimar region. After Independence the district became part of the newly-formed state of Madhya Pradesh.

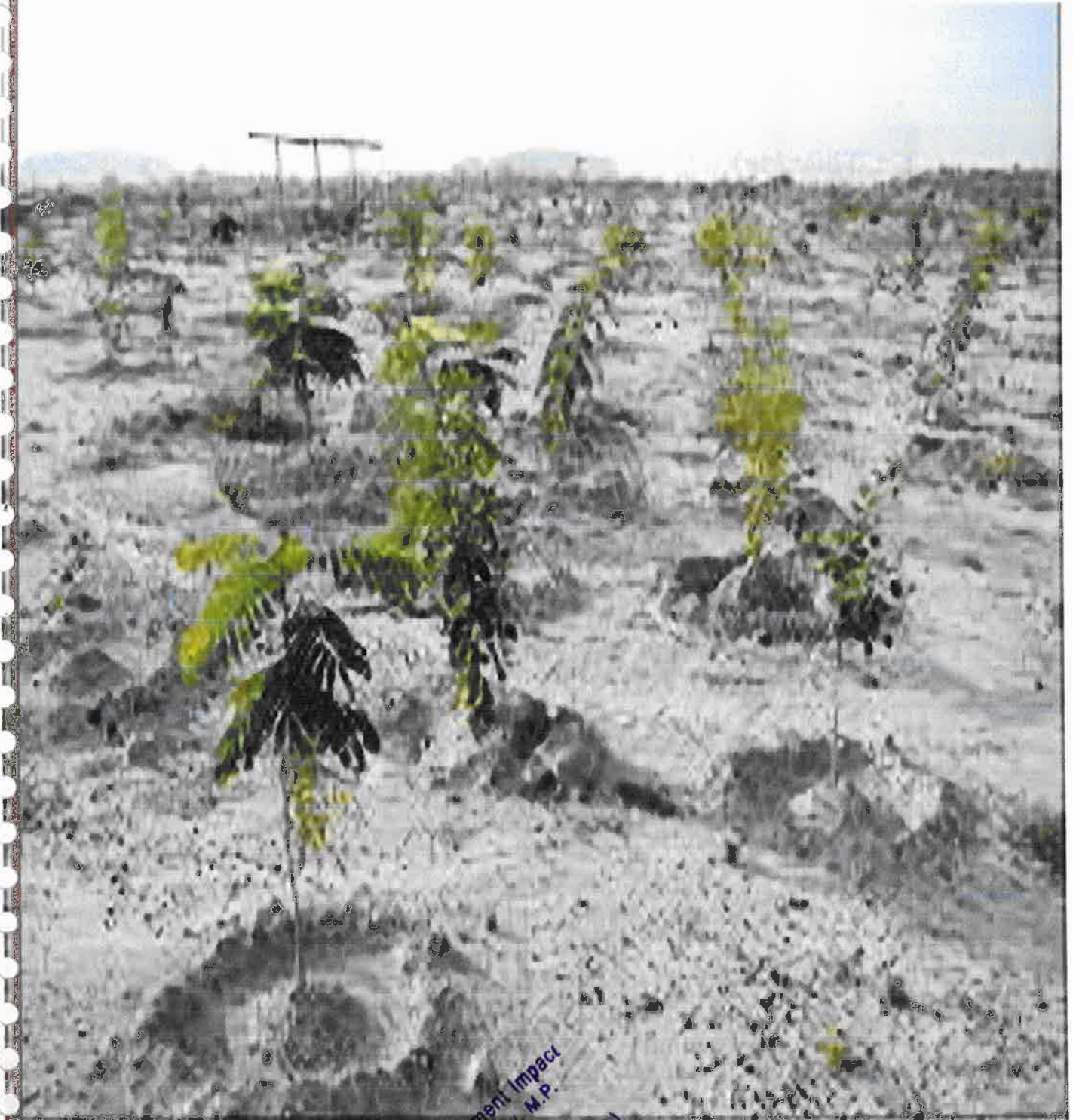
  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 10. Details of Month wise Rainfall Data of 1 Year

Month	2019 (MM)	2020 (MM)	2021 (MM)
January	0.0	7.1	0.3
February	0.0	0.0	0.0
March	0.0	1.0	5.0
April	1.8	0.0	0.7
May	1.5	3.4	6.9
June	109.0	162.8	115.4
July	347.6	285.5	178.5
August	434.8	271.5	183.4
September	307.4	124.2	300.1
October	87.6	38.4	137.2
November	40.2	0.0	6.1
December	2.4	4.5	0.8

  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Parvavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## Mines Area Plantation



*Asctan*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Parvatipuram Parisar  
T. 5, Kite, Jabalpur, Bhopal (M.P.)



## 11-: GEOLOGY AND MINERAL WEALTH :-

The area constitutes part of Tapi and purana river The area constitutes part of Tapi and purana river basins & characterised by thick pile of various basaltic flows. The geological sequence of the district is as given below :-

Age	Formation	Rock Type
Recent		Tapti Alluvium
Eocene Cretaceous	Deccan trap.	Basalt with Intertrappean lime stone and Calcite vein.



*Deekhan*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Areta Colony, Bhopal (M.P.)

## DECCAN TRAP BASALT :-

The Burhanpur district is characterized by the presence of thick pile of basaltic flows belonging to Deccan trap basalt. Alluvium in the district occurs as narrow strip along the Tapi river and as an extensive blanket over the traps south of Gawilgarh hill range forming the Purana alluvium. The individuals flows are 15 to 20 meter thick. Older flows are highly weathered and transformed into fertile soils. The basalts are fine grained, hard compact rock. Colour varies from light grey to dark grey. Deccan trap are generally regarded as fissure eruptions. Amygdaloidal types with infillings of various forms of silica and zeolites and vesicles or spherules or nodules of green earth (Celadonite) also occur. Spheroidal weathering is characteristic feature of Deccan Trap basalt. This can be observed in entire area. Spheroid from 10mm to 30mm diameter. Three sets of vertical joints have been observed measuring N 1350, N 750 and N-S. These joint planes have infilling of calcite and quartz at places. An attempt has been made to demarcate different flows of basalt in the area of topo sheet No. 55 C/2. Individual flow can be recognised by following criteria. (a) In each flow the upper and lower portions are vesicular with a nonvesicular inner portion. (b) Grain size of top and bottom portions of flow. (c) Presence of red bole bed in between adjacent flow. Six flows have been identified at Asirgarh hill. Description of individual flow is as follows :-

### BASAL FLOW :

This flow is composed of hard, compact, black to dark grey in colour and is fine grained. Columnar jointing can be observed in this flow in nala and river beds. Maximum area of this flow is covered by black cotton soil.

### FLOW I :

It is light grey, somewhat coarser than the basal flow. At the contacts, vesicular basalt is occurring. Vesicles are filled with zeolites and quartz. This flow is weathered in most of the area and gives rise to brownish soil and murrum.

### FLOW II :

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Parvatanar Parisar  
Areta Colony, Bhopal (M.P.)

This is dark grey, fine grained, traversed by three sets of vertical joints. Joints are striking N 1350 N-S and N 750. This flow has been mapped in southern part of topo sheet No. 55 C/2.

#### **FLOW III :**

This is hard, compact, grey in colour and porphyritic in texture. The Phenocrysts of feldspar and augite are present. Spheroidal weathering is common. This flow has been mapped in southern portion of topo sheet No. 55 C/2.

#### **FLOW IV :**

This is again light to dark grey. Porphyritic in texture, with Phenocrysts of augite and feldspar and is separated by the presence of red bole bed from Flow III. At the contacts the basalt has gone much vesicular.

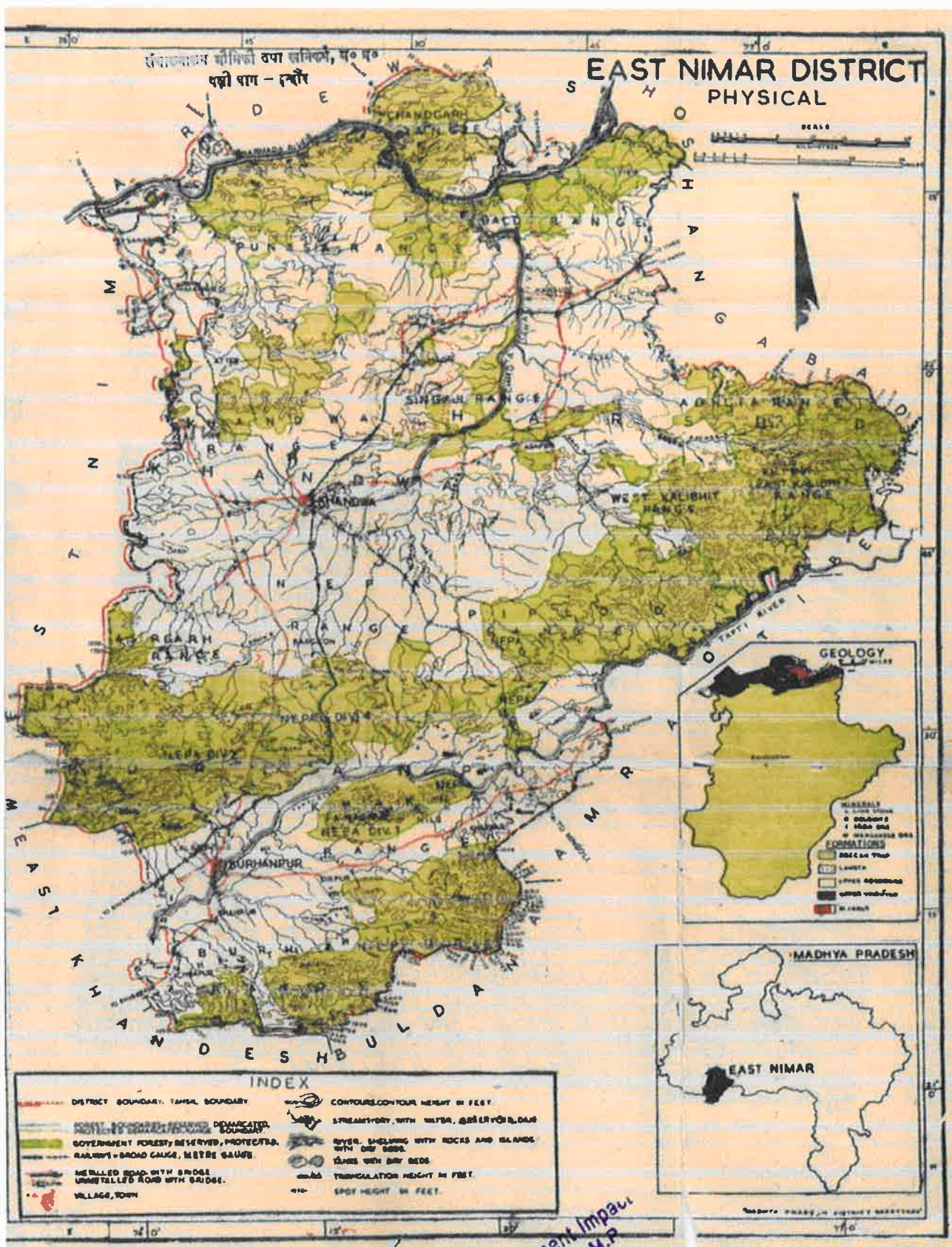
#### **INTER TRAPPEAN :-**

Thin lenticular beds of fossiliferous intertrappean limestone have been noticed at near Jhiri and Jhanjhar village (55 C/7). The limestone is off white and argillaceous in nature. It is weathered and converted into clay in nala section. Physa are recovered from this bed. The limestone is offwhite and argillaceous in nature. Thickness of limestone is 3 to 3.5 m. in this area. Due to ground water activity the tuffaceous limestone has also been formed in the small fractures. The extension of the intertrappean limestone is about 1.5 kms. up to Jhanjhar village. The limestone is off white to light grey in colour. Brecciation is also noticed. Old workings have been seen near east of village Jhiri.

The major portion of the district is occupied by Deccan trap Basalts. Small quantity of Calcite, Quartz, Zeolites occur as a cavity and fracture filling in the Deccan traps Basalts. These are invariably uneconomical. However, calcite veins of variable dimensions, intruding into Deccan trap Basalt have been reported around villages Dewatiya, Komal Khera, Gardev, Basali, Boribuzurg, Utambi and Sarai-Garhi in the forest area. These calcite veins can be exploited conomically. The Basalts are being utilized in building and road construction. In Basaltic areas black cotton soil and brownish soil are being used in making bricks.

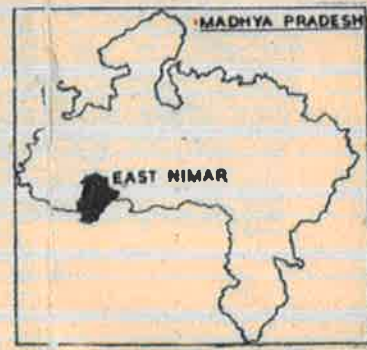
*A. K. Sharma*  
State Level Environmental Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(E-10)  
Patyavaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)





संघान्तर्गत वनमित्र वना समिती, म० प्र०  
 पन्ची बाग - इन्डौर

# EAST NIMAR DISTRICT PHYSICAL



**INDEX**

DISTRICT BOUNDARY, TAPTA BOUNDARY	CONTOUR, CONTOUR HEIGHT IN FEET
GOVERNMENT FOREST, RESERVE, PROTECTED	STREAM, WITH SILT, QUARTZ, SAND
RAILWAY - BROAD GAUGE, METRE GAUGE	RIVER, SHOWING WITH ROCKS AND ISLANDS WITH ONE BED
METALLED ROAD WITH BRIDGE, UNMETALLED ROAD WITH BRIDGE	DAMS WITH DAM BEDS
VILLAGES, TOWN	TRIANGULATION HEIGHT IN FEET
	SPOT HEIGHT IN FEET

*Arora*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 पर्यावरण परिषद  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

## 12. Drainage and Irrigation Pattend

NO.	NAME OF THE RIVER	AREA DRAINED(KM2)	%AREA DRAINED IN THE DISTRICT
01	Tapi	65145 km2	about 100% of the area of district is drained by Tapi rivers through its tributaries.
02	Utavli	Originate in the district	about 10% of the area of district is drained by Utavli river and ultimately joins river Tapi.
03	Sukhi	Originate in the district	about 15% of the area of district is drained by Sukhi river and ultimately joins river Tapi.
04	Mohna	Originate in the district	about 15% of the area of district is drained by Mohna river and ultimately joins river Tapi.

  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryevaran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



13. List. of Table  
**DETAILS OF SAND MINING AREA BASED ON PRE-MANSON**

Sr. no.	Portion of the river or stream commended of Mineral Concession	Average length of recommended of Mineral Concession on (in meter)	Average width of recommended of Mineral Concession on (in meter)	Sanctioned Area in(Hac.)	Area recommended of Mineral Concession on (in square meter) (Area X Depth)	Total sand Potential (Cubic Meter)	Minable Mineral Potential(60% of total mineral potential) (cubic meter)	Remark	
	River								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	Tapti River	Sirsoda	1	280	142.86	4.00	40000X0.8	32000	0
2	Tapti River	Ratnapur	366	400	100.00	4.0	40000X0.8	32000	0
3	Tapti River	Ramakheda	335	220	181.82	4.0	40000X0.8	32000	0
4	Tapti River	Daryapur	209	730	111.10	8.110	81100X0.78	63880	0
5	Tapti River	Gwahana	Vill. Gwahana 122 sirsoda 318, Bhatkheda 01 Hatnur 52 51, 96	430	139.53	6.0	60000X0.8	48000	0
6	Tapti River	Rehia		840	59.52	5.0	50000X0.8	40000	0
7	Tapti River	Nachankheda	01	850	82.35	7.0	70000X0.8	56000	0
8	Tapti River	Fatehpur	439	1100	123.64	13.60	136000X0.8	108800	0
9	Mohna river	Suktपुरी	331, 242	1300	42.31	5.50	55000X0.8	44000	0
									12

Note: If contractor/lessee exploited the permissible quantity of sand during post monsoon season, the Minable mineral potential will exhaust prior to the commencement of monsoon season.

*S. S. S. S.*  
 P. P. P. P.

State Level Expert Panel Inpaci  
 Assessment Authority M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-6, Arara Colony, Bhopal (M.P.)



## DETAILS OF SAND MINING AREA BASED ON POST-MANSOON

Sr. no.	Portion of the river or stream commended of Mineral Concession		Average length of Mineral Concession on (in meter)	Average width of Mineral Concession on (in meter)	Sanctioned Area in(Hac.)	Area recommended of Mineral Concession on (in square meter) (Area X Depth)	Total sand Potential (Cubic Meter)	Minable Mineral Potential(60% of total mineral potential) (cubic meter)	Minable Mineral Potential(60% of total mineral potential) (in Metric Ton)(m3X density(1.4))	
	River	Village								
		Khasra no.								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Tapli River	Sirsoda	1	280	142.86	4.00	40000X2	80000	48000	67200
2	Tapli River	Ratnapur	386	400	100.00	4.0	40000X2	80000	48000	67200
3	Tapli River	Ramakheda	335	220	181.82	4.0	40000X2	80000	48000	67200
4	Tapli River	Daryapur	209	730	111.10	8.110	81100X2	162200	97320	136248
5	Tapli River	Gwahana	Vill. Gwahana 122 sirsoda 318, Bhatkheda 01 Hatnur 52 51, 96	430	139.53	6.0	60000X2	120000	72000	100800
6	Tapli River	Rehta	840	840	59.52	5.0	50000X2	100000	60000	84000
7	Tapli River	Nachankheda	01	850	82.35	7.0	70000X2	140000	84000	117500
8	Tapli River	Fatehpur	439	1100	123.64	13.60	136000X2	272000	163200	228480
9	Mohna river	Sukhpuri	331, 242	1300	42.31	5.50	55000X2	110000	66000	92400

*(Signature)*

District Collector,  
Mansarovar, M.P.

Parsvanagar Purisar  
B-5, Asha Colony, Shepur (M.P.)

*(Signature)*  
जिल्म-बुरेभपुर

• Drainage system with description of main rivers

NO.	NAME OF THE RIVER	AREA DRAINED(KM2)	%AREA DRAINED IN THE DISTRICT
01	Tapi	65145 km2	about 100% of the area of district is drained by Tapi rivers through its tributaries.
02	Utavli	Originate in the district	about 10% of the area of district is drained by Utavli river and ultimately joins river Tapi.
03	Sukhi	Originate in the district	about 15% of the area of district is drained by Sukhi river and ultimately joins river Tapi.
04	Mohna	Originate in the district	about 15% of the area of district is drained by Mohna river and ultimately joins river Tapi.

*A. K. S.*  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavarat Parisar  
 E-6, Afera Colony, Bhopal (M.P.)

## Salient Features of Important Rivers and Streams

SERIAL NO.	NAME OF THE RIVER OR STREAM	TOTAL LENGTH IN THE DISTRICT (IN KM)	PLACE OF ORIGIN	ALTITUDE AT ORIGIN
01	Tapi	Approx. 115 km across the district in E-W direction.	Multai in Betul dist.	752 Meter
02	Utavli	Approx. 30	Utavli peak in reserve forest	573 meter
03	Sukhi	Approx. 22	Bhalana peak in reserve forest	843 Meter
04	Mohna	Approx. 40	Raypur peak in reserve forest	838ter

  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



## DETAILS OF SAND MINES FOR MINERAL CONCESSION

Sr. no	Portion of the river or stream recommended of Mineral Concession	Average length of recommended of Mineral Concession on (in meter)	Average width of recommended of Mineral Concession on (in meter)	Sanctioned Area (Hac.)	Area recommended of Mineral Concession (in square meter) (Area X Depth)	Total sand Potential (Cubic Meter)	Minable Mineral Potential(60% of total mineral potential) (in cubic meter)	Minable Mineral Potential(60% of total mineral potential) (in cubic meter) (density 1.41)	Annual sand Production 2019-2020 (in cubic meter)	Annual sand Production 2021 (in cubic meter)	Annual sand Production 2021-2022 (in cubic meter)	
	River											
	Village											
	Khasra no.											
1	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Tapti River	280	142.86	4.00	40000X2	80000	48000	67200	NIL	NIL	38310.18	1776.51
2	Tapti River	400	100.00	4.0	40000X2	80000	48000	67200	NIL	NIL	17815.2	22091.28
3	Tapti River	220	181.62	4.0	40000X2	80000	48000	67200	NIL	NIL	21203.05	18691.25
4	Tapti River	730	111.10	8.110	81100X2	162200	97320	136248	NIL	NIL	NIL	NIL
5	Tapti River	430	139.53	6.0	60000X2	120000	72000	100800	NIL	NIL	NIL	NIL
6	Tapti River	840	59.52	5.0	50000X2	100000	60000	84000	NIL	NIL	NIL	24687.76
7	Tapti River	850	82.35	7.0	70000X2	140000	84000	117500	NIL	NIL	NIL	NIL
8	Tapti River	1100	123.64	13.60	136000X2	272000	163200	228480	NIL	NIL	NIL	NIL
9	Mohna river	1300	42.31	5.50	55000X2	110000	66000	92400	NIL	NIL	NIL	NIL

नोट - वर्ष 2019-20 में रेत खदान का ठेका संचालित नहीं होने के कारण Annual sand production 2019-20 (in cum.) की जानकारी निरंक है एवं वर्ष 2021-22 में कुल 09 खदानों में से 08 खदान एवं वर्ष 2022-23 में कुल 09 खदान में से 04 रेत खदान संचालित थी। शेष खदान में Annual sand production की जानकारी निरंक है।

  
 एन.एस. अरिया कॉलोनी, ग्वाहना (ए.पी.)  
 एन.एस. अरिया कॉलोनी, ग्वाहना (ए.पी.)

बरदान स्टेशन क्षेत्र में रेत खदानों का आर्थिक परिक्षण  
 एन.एस. अरिया कॉलोनी, ग्वाहना (ए.पी.)

एन.एस. अरिया कॉलोनी  
 ग्वाहना - बरदानपुर

## Details of Annual Deposition Sand

Sr. no.	River or stream	Portion of the district or stream recommended for mineral concession	Area recommended for mineral concession (in Hectare)	Mineable mineral potential (in metric tone) (60% of total mineral potential)
1	Tapti	Along the River banks in khasra nos. 122, 318,52 and 1 of village Guvahana, khasra no. 1 of village Nachankheda, khasra no. 209 of village Daryapur, Khasra No. 439 of Village Fatehpur, Khasra No. 335 of Village Ramakheda , Khasra No. 01 of Village Sirsoda, Khasra No. 386 of Village Ratnapur parts of the district	46.71	2,75,000 M3
2	Mohna	Along the river banks in khasra nos. 331, 242 of village Sukhpuri, khasra nos. 51, 96 of village Rehta parts of the district	10.5	45,000 M3
		<b>TOTAL</b>	<b>57.21</b>	<b>3,20,000 M3</b>

  
 State Level Environment Impact  
 Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Parisar  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

• Sand Mining Area Total Mineable Mineral Potential (60%)

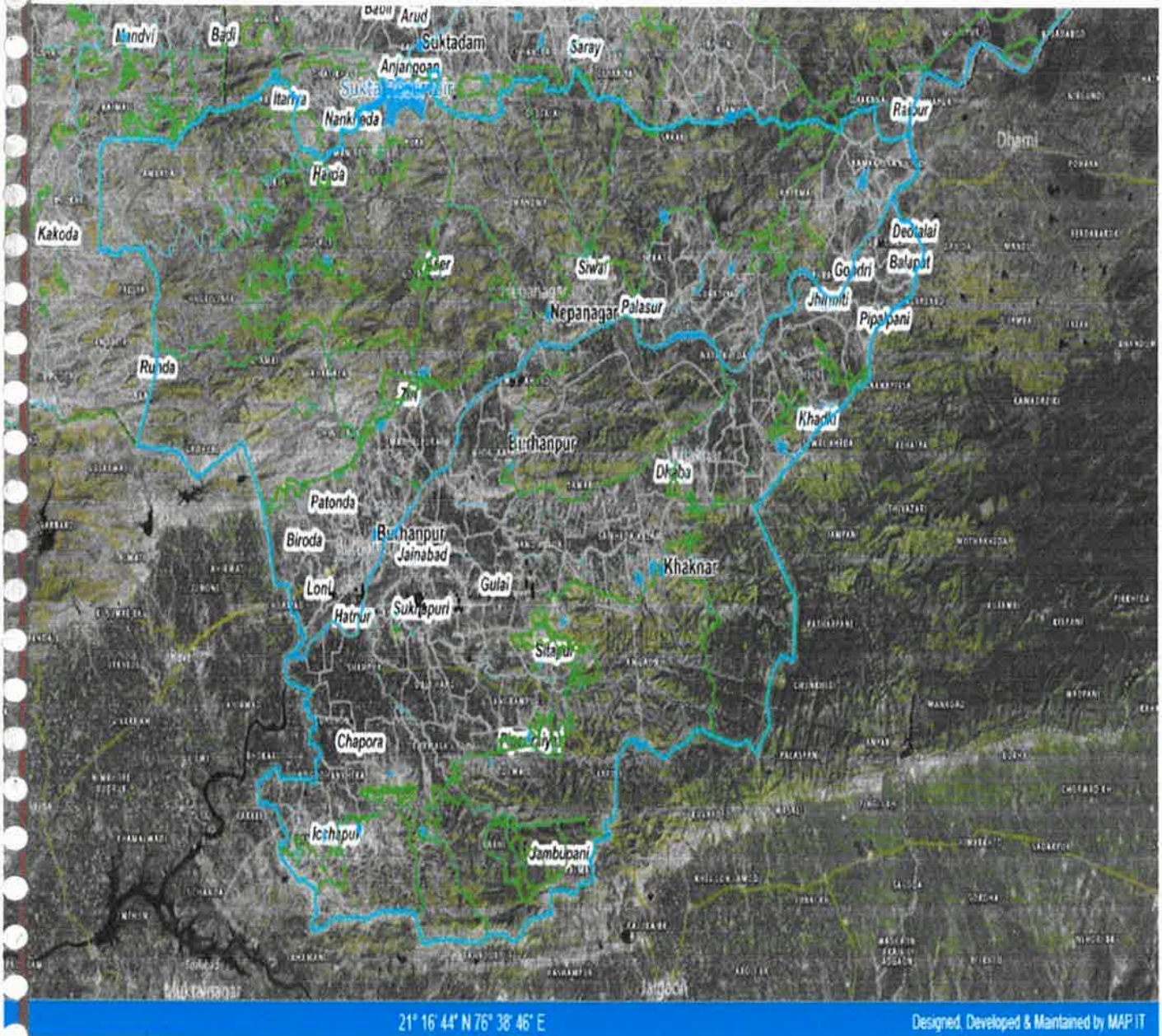
S.No	Name of Mines	Total area in Sq. M.	Standard Depth in Meters	Sand Mines Quantity Cubic Meters	Total Mineable Mineral Potential (60%)	Name of River
1	Sirsoda	40000	2	80000	48000	Tapti River
2	Ratnapur	40000	2	80000	48000	Tapti River
3	Ramakheda	40000	2	80000	48000	Tapti River
4	Daryapur	81100	2	162200	97320	Tapti River
5	Gwahana	60000	2	120000	72000	Tapti River
6	Rehta	50000	2	100000	60000	Tapti River
7	Nachankheda	70000	2	140000	84000	Tapti River
8	Fatehpur	136000	2	272000	163200	Tapti River
9	Sukhpuri	55000	2	110000	66000	Mohna River

*A. K. Sharma*  
 State Level Environmental Impact Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Pariksha  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

*S. S. Sharma*  
 State Level Environmental Impact Assessment Authority, M.P.  
 (EPCO)  
 Paryavaran Pariksha  
 E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



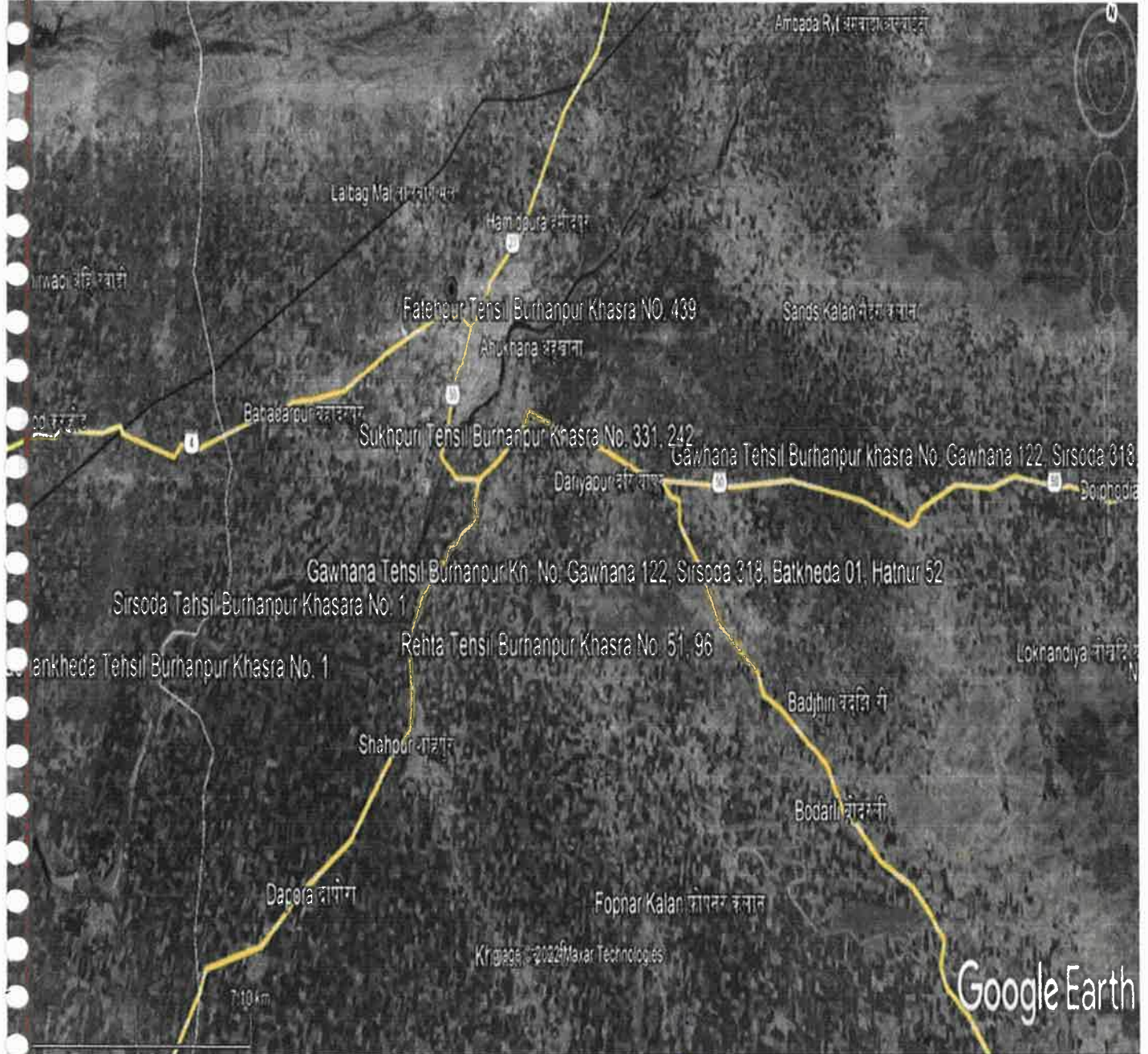
## Burhanpur Google Earth Maps



## BURHANPUR VILLAGE SATELITTE IMAGE

*A. K. Patil*  
(E.M.O.)  
Payayaran Patisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)





*A. K. S. Patil*  
Executive Director, M.P.  
(EPCO)  
Periyaveran Parisar  
E-5, Arera Colony, Bhopal (M.P.)



**Burhanpur Tapti Sand River**



*Handwritten signature*  
Assessment (EP)  
Paryavaran  
Est. Areta Colony, B...





*A. Saha*  
Site Level Environment  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Aare Colony, Bhopal (M.P.)





*Deva*

State-Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EIAO)  
Paryavaran Parisar  
Bhopal (M.P.)  
Arera Colony

Ratnapur (ans) Bumanpur Khasra No. 386

Rangarn रणार्ण  
Google Earth

Image Date: 3/15/2021 21°27'52.26" N 76°40'16.62" E elev. 291 m eye alt. 5.43 km

Image © 2022 Airbus Imagery  
Page 1 of 225 GIS/ES/Alouis

1985





*Author*

Assessment and  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-3, Arera Colony, Bhopal (M.P.)





Rehta Tensi, Burnapur, Khasia No. 51, 96

Google Earth

Imagery Date: 4/6/2021 21°16'01.97" N 76°16'19.08" E elev. 252 m eye at 1.67 km

Image © 2020 Maxar Technologies

Old Khasia Tensi

*Acton*  
State Level Environment Impact  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-5, Aaree Colony, Bhopal (M.P.)

1585

## **Risk Assessment & Disaster Management Plan:**

The Disaster Management Plan (DMP) is supposed to be a dynamic, changing, document focusing on continual improvement of emergency response planning and arrangements. The disaster management plan is aimed to ensure safety of life, protection of environment, protection of installation, restoration of production and salvage operations in this same order

of priorities. For effective implementation of the disaster management plan, it should be widely circulated and personnel training through rehearsals/induction conducted by the respective department from time to time.

### **General Responsibilities during an Emergency**

During an emergency, it becomes more enhanced and pronounced when an emergency warning is raised, the workers in-charge, should adopt safe and emergency shut down and attend any prescribed duty as essential employee. If no such responsibility is assigned, he should adopt a safe course to assembly point and await instructions. He should not resort to spread panic. On the other hand, he must assist emergency personnel towards objectives of DMP.

### **31. Co-ordination with Local Authorities**

The mine manager who is responsible for emergency will always keep a jeep ready at site. In case any eventualities the victim will be taken to the nearby hospitals after carrying out the first aid at site. A certified first aid certificate holder will be responsible to carry out the first aid at site. The mine manager should collect and have adequate information of the nearby hospitals, fire station, police station, village Panchayat heads, taxi stands, medical shop, district revenue authorities etc., and use them efficiently during the case of emergency.

✦ ✦ ✦ ✦

*Ketan*  
State Level Environmental  
Assessment Authority, M.P.  
(EPCO)  
Paryavaran Parisar  
E-8, Arera Colony, Bhopal (M.P.)

**598वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक**  
**दिनांक 07 अक्टूबर 2022**

from District Collectorate ( Mining)	19.09.2022
SEAC meeting dated 07.10.22	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के टेबिल क्रमांक-9 (पेज क्र0. 01 से 07) में खदान की जानकारी निर्धारित प्रपत्र मे दे दी गई है।</li> <li>● जिले में हरित क्षेत्र के विकास हेतु पूर्व के वर्षों में लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण की जानकारी, संख्या एवं प्रजातियों की जानकारी टेबिल क्रमांक- (पेज क्र0. 36 से 38) मे दी गई है ।</li> </ul>

आज दिनांक 07 / 10 / 22 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री पी.पी. राय, एवं श्री धनराज काटोलकर, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे ।

समिति ने पाया कि खनि. अधिकारी,कार्यालय कलेक्टर,(खनिज शाखा) जिला- हरदा के पत्र क्र0 353 / खनिज / 2022-23 दिनांक 19 / 09 / 22 के माध्यम खदान की जानकारी निर्धारित प्रपत्र मे दे दी गई है तथा लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण की जानकारी, संख्या, भी प्रस्तुत कर दी गई है। अतः समिति हरदा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट ( अन्य गौण खनिज - रेत को छोड़कर ) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

**(स). जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, बुरहानपुर -**

**1. अन्य गौण खनिज - रेत को छोड़कर, जिला - बुरहानपुर - संशोधित**

कार्यालय कलेक्टर के पत्र क्र0. 395 दिनांक 03 / 10 / 2022 के माध्यम से जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट- बुरहानपुर (गौण खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट उप समिती का अनुमोदन एवं जिला पोर्टल पर रखने के उपरांत प्रस्तुत की गई है।

Mineral	Other than Sand
Earlier DSR Discussed	SEAC 594 <sup>th</sup> Meeting dated 21.09.2022
Approved /or recommend for Updation (if Updation then elaborate issues )	Recommended for DSR Updation (Other than Sand )
Deliberation in the SEAC 594 th Meeting dated 21.09.2022	राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति की 594 वीं बैठक दिनांक 21 / 09 / 22 जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, जिला बुरहानपुर (म.प्र.)  <b>अ. गौण खनिज, जिला - बुरहानपुर</b>  कार्यालय कलेक्टर के पत्र क्र0. 315 दिनांक 06 / 09 / 2022 के माध्यम से जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट- रतलाम (गौण



## 598वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 07 अक्टूबर 2022

	<p>खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट उप समिती का अनुमोदन एवं जिला पोर्टल पर रखने के उपरांत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>आज दिनांक 06/09/22 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री पी.पी. राय एवं सुश्री सोनल सिंह तोमर, खनिज अधिकारी उपस्थित रहे । बुरहानपुर जिले की नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट गौण खनिज हेतु प्रस्तुत की गई, जिसमें पाया:</p> <p>➤ तालिका क्र०. – 9 में दर्शित डेटा 16 बिन्दुओं की जानकारी अधिसूचना के अनुसार नहीं है जैसे:-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Mining lease Sanction Order No. &amp; date,</li> <li>• Date of commencement of mining operation,</li> <li>• Captive or Non-captive,</li> <li>• EC obtained Yes/No</li> <li>• Method of Mining (Open Cast/Under Ground) etc.</li> </ul> <p>➤ जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में हरित क्षेत्र के विकास हेतु खदानों में वृक्षारोपण की जानकारी नहीं दी गई है। जानकारी के लीजवार शामिल कर अद्यतन किया जाना चाहिए। साथ ही निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध कितना वृक्षारोपण किस वर्ष किया है, उसको भी अंकित किया जाना चाहिए।</p> <p>चर्चा उपरांत समिति की यह अनुशंसा है कि बुरहानपुर की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट गौण खनिज एवं रेत खनिज को समिति की सुझाई गयी उपरोक्त अनुशंसाओं के तारतम्य में अद्यतन (अपडेट) किया जाये तथा संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 25/07/18 के अनुसार पुनः प्रस्तुत की जावे तत्संबंध में उपस्थित खनिज अधिकारी को भी उपरोक्त संदर्भ में समझाईश दी गयी।</p>
<p><b>Revised DSR received from District Collectorate ( Mining)</b></p>	<p>vide District Collectorate (Mining) Office, Burhanpur , No. 395 dated 03.10.2022</p>
<p><b>Hard Copy Soft Copy or both</b></p>	<p>Hard copy</p>
<p><b>SEAC meeting dated 07.10.22</b></p>	<p>जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में तालिका क्र० निरंक पेज न०. 47 में माइनेबल मिनरल पोर्टेंशियल (घनमीटर में) 60% टोटल मिनरल पोर्टेंशियल, लीजवार, लंबाई, चौड़ाई एवं गहराई के साथ दर्शाया है एवं विगत 03 वर्षों के उत्खनित रेत की मात्रा का लीजवार पोर्टेंशियल दिया गया है। जिससे ज्ञात हो सके कि उस स्थल पर खदान का मिनरल पोर्टेंशियल विगत 03 वर्षों में कितना रहा।</p>

आज दिनांक 07/10/22 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री पी.पी. राय, एवं श्री प्रमोद उईके, सहायक मानचित्रकार उपस्थित हुए।

समिति ने पाया कि खनि. अधिकारी,कार्यालय कलेक्टर,(खनिज शाखा) जिला— बुरहानपुर के पत्र क्र० 395 दिनांक 03/10/22 के माध्यम खदान की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में दे दी गई है तथा लीज धारकों द्वारा किये गये वृक्षारोपण की जानकारी, पौधों की संख्या एवं प्रजाति भी प्रस्तुत कर दी गई है। अतः समिति बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।

**598वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक  
दिनांक 07 अक्टूबर 2022**

**2. रेत खनिज – बुरहानपुर**

Mineral	Sand
Earlier DSR Discussed	SEAC 594 <sup>th</sup> Meeting dated 21.09.2022
Approved /or recommend for Updation (if Updation then elaborate issues)	Recommended for DSR Updation ( <b>Sand Mineral</b> )
Deliberation in the SEAC 594 <sup>th</sup> Meeting dated 21.09.2022	<p>राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति की 594वीं बैठक दिनांक 21/09/22</p> <p style="text-align: center;"><b>जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट – रेत खनिज, जिला – बुरहानपुर</b></p> <p>आज दिनांक 21/9/22 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री पी.पी. राय एवं श्री प्रमोद शर्मा, खनिज अधिकारी के साथ उपस्थित रहे। जिले की संशोधित शहडोल जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में पाया गया कि:-</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 25/07/2018 की अधिसूचना में निर्देशित की गयी तालिका में जो लीजवार लंबाई, चौड़ाई एवं गहराई के साथ जो मिनरल पोटेण्शियल की गणना की गयी है उसको पुनः किया जाना प्रस्तावित है।</li> </ul> <p>चर्चा उपरांत समिति की यह अनुशंसा है कि शहडोल की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को समिति की सुझाई गयी उपरोक्त अनुशंसाओं के तारतम्य में अद्यतन (अपडेट) किया जाये तथा संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 25/07/18 के अनुसार पुनः प्रस्तुत की जावे तत्संबंध में उपस्थित खनिज अधिकारी को भी उपरोक्त संदर्भ में समझाईश दी गयी।</p>
Revised DSR received from District Collectorate (Mining)	Vide District Collectorate (Mining) Office, Burhanpur I letter No. 399 dated 07.10.2022
SEAC meeting dated 07/10/22	जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में तालिका क्र० निरंक पेज न०. 47 में माइनेबल मिनरल पोटेण्शियल (घनमीटर में) 60% टोटल मिनरल पोटेण्शियल, लीजवार, लंबाई, चौड़ाई एवं गहराई के साथ दर्शाया है एवं विगत 03 वर्षों के उत्खनित रेत की मात्रा का लीजवार पोटेण्शियल दिया गया है। जिससे ज्ञात हो सके कि उस स्थल पर खदान का मिनरल पोटेण्शियल विगत 03 वर्षों में कितना रहा।

आज दिनांक 07/10/22 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री पी.पी. राय, एवं श्री प्रमोद उईके, सहायक मानचित्रकार उपस्थित रहे।

चर्चा उपरांत समिति ने पाया कि खनि. अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला- बुरहानपुर के पत्र क्र० 399 दिनांक 07/10/22 के माध्यम से मिनरल पोटेण्शियल की गणना में आवश्यक

## 598वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 07 अक्टूबर 2022

संशोधन कर रेत की 60 प्रतिशत माइनेबल पोटेंशियल (रेत खनन हेतु) मीट्रिक टन यूनिट में प्रस्तुत कर दी गई है। मिनरल पोटेंशियल की गणना दर्शाने वाली टेबल में आवश्यक संशोधन कर रेत की 60 प्रतिशत माइनेबल पोटेंशियल (रेत खनन हेतु) मीट्रिक टन यूनिट में प्रस्तुत कर दी गई है।

समिति ने जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों के प्रस्तुतीकरण एवं परीक्षण में पाया कि रेत की कई स्वीकृत खदानों में 60 प्रतिशत माइनेबल पोटेंशियल तथा विगत् 03 से 05 वर्षों के उत्पादन की मात्रा में 10 गुना से भी अधिक का अंतर है जिसके संदर्भ में उपस्थित खनन अधिकारियों द्वारा बताया गया कि विगत् 02 से 03 वर्षों में कोविड महामारी, मांग कम होने इत्यादि के कारण कुछ खदानों से रेत की निकासी काफी कम हुई है जिस कारण यह अंतर परिलक्षित हो रहा है। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि रेत खनन के ऐसे प्रकरण जहां 60 प्रतिशत माइनेबल पोटेंशियल तथा विगत् 03 से 05 वर्षों के उत्पादन की मात्रा में 05 गुना या उससे से भी अधिक का अंतर है ऐसे सभी प्रकरणों में पर्यावरणीय अभिस्वीकृती हेतु प्रकरण ऑन लाईन प्रस्तुत करते समय उनकी अनुमोदित खनन योजना में उस स्थल की सारगर्भित रिप्लेनिशमेंट स्टडी प्रस्तुत की जाये तथा 60 प्रतिशत माइनेबल पोटेंशियल के विरुद्ध 05 गुना या उससे से भी अधिक रेत की मात्रा के अंतर का औचित्य दर्शाया जाये ।

समिति की यह भी अनुशांसा है कि जिला स्तर पर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने हेतु गठित जिला समिति की अनुशांसा तथा की गई रिप्लेनिशमेंट स्टडी की जानकारी (जिसके आधार पर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार की गई हैं) संबंधित जिला खनिज अधिकारी कार्यालय में सुरक्षित रखी जाये ।

अतः समिति द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशांसाओं के साथ बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित किया जाये।

### (द). जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, खंडवा – (अन्य गौण खनिज )

कार्यालय कलेक्टर के पत्र क्र०. 718 दिनांक 20/09/2022 के माध्यम से जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट—खंडवा ( अन्य गौण खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट उप समिती का अनुमोदन एवं जिला पोर्टल पर रखने के उपरांत प्रस्तुत की गई है।

आज दिनांक 07/10/22 को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के प्रस्तुतीकरण के दौरान संचानालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, विभाग भोपाल से श्री पी.पी. राय एवं श्री सचिन वर्मा खनिज अधिकारी ऑन लाईन उपस्थित रहे । बुरहानपुर जिले की नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट गौण खनिज हेतु प्रस्तुत की गई, जिसमें पाया गया कि :-

- जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के टेबिल क्रमांक-03 (पेज क्र०. निरंक) में जानकारी (16 बिन्दुओं वाली टेबल) निर्धारित फार्मेट के अनुसार नहीं दी गई है।
- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में हरित क्षेत्र के विकास हेतु खदानों में वृक्षारोपण की जानकारी नहीं दी गई है। जानकारी के लीजवार शामिल कर अद्यतन किया जाना चाहिए। साथ ही निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध कितना वृक्षारोपण किस वर्ष किया है, उसको भी अंकित किया जाना चाहिए।



4. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट – हरदा (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर )

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 में हरदा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है :

“..... अतः समिति हरदा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट ( अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये। ”

राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत SEAC की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 के अनुमोदन प्रस्ताव को मान्य करते हुए हरदा जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) का अनुमोदन SEAC द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ किया जाता है।

तदनुसार जिला कलेक्टर, हरदा को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करवाये जाने एवं संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म को सूचित किया जाये।

5. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट बुरहानपुर (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर संशोधित एवं रेत खनिज)

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 में निवाड़ी जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर संशोधित एवं रेत खनिज) में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है :

“..... अतः समिति बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित की जाये।


.....अतः समिति द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण की ओर प्रेषित किया जाये। ”

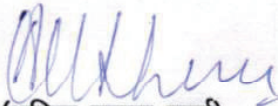
राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत SEAC की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 के अनुमोदन प्रस्ताव को मान्य करते हुए बुरहानपुर जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर संशोधित एवं रेत खनिज) का अनुमोदन SEAC द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशंसाओं के साथ किया जाता है।

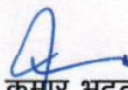
तदनुसार जिला कलेक्टर, बुरहानपुर को जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिला पोर्टल पर अपलोड करवाये जाने एवं संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म को सूचित किया जाये।

6. जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट निवाड़ी (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर )

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 598वीं बैठक दिनांक 07/10/2022 में निवाड़ी जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (अन्य गौण खनिज – रेत को छोड़कर) में निम्नानुसार सुझाव सहित अनुशंसा की गई है :

  
(श्रीमन् शुक्ला)  
सदस्य सचिव

  
(अनिल कुमार शर्मा)  
सदस्य

  
(अरुण कुमार भट्ट)  
अध्यक्ष